MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शनिवार, 27 जून, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-175

बैंक में चाँदी-जेल में चोर

अयोध्या चढ़ावाकाँड

अयोध्या, 26 जून (एजेंसियां)।

अयोध्या के राम मंदिर में दान की गई चांदी की ईंटों को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। कुछ लोगों ने आरोप लगाया था कि मंदिर को दान में मिली चांदी की ईंटों का कोई हिसाब नहीं है और उनका पता नहीं चल रहा। लेकिन अब इस पूरे मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है।

आजतक को मिली एक्सक्लूसिव जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े मामले की जांच के दौरान एसआईटी ने चांदी की ईंटों से जुड़े सभी रिकॉर्ड की भी जांच की। जांच में पाया गया कि सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे कई दावे और आरोप रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते। खासतौर पर अनुराग रस्तोगी द्वारा दान की गई चांदी की ईंटों को लेकर किए गए दावों को जांच में सही नहीं पाया गया।

एसआईटी के मुताबिक, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अभिलेखों में चांदी के दान का पूरा विवरण दर्ज है। रिकॉर्ड के मुताबिक, पहली बार 21 जुलाई 2020 और 28 जुलाई 2020 के दौरान कुल 38 किलोग्राम चांदी दान में हासिल हुई थी। इसके बाद 29 जुलाई 2020 को 25.576 किलोग्राम चांदी की ईंटें ट्रस्ट को दान में मिलने का भी पूरा रिकॉर्ड मौजूद है। जांच में सबसे बड़ा खुलासा यह हुआ कि दान में मिली इन चांदी की ईंटों को कहीं गायब नहीं किया गया। एसआईटी के मुताबिक, ट्रस्ट की तय प्रक्रिया के तहत इन चांदी की ईंटों को गलाकर सुरक्षित रूप में बैंक के लॉकर में रखवा दिया गया है। यानी सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोप कि चांदी की ईंटें लापता हैं, जांच में फर्जी साबित हुए। हालांकि, चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मामला अभी भी जांच के दायरे में है। इस मामले में एसआईटी की सिफारिश पर एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और आठ आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। इन पर दान राशि की चोरी, आपराधिक साजिश, अमानत में खयानत और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस और एसआईटी दोनों मामले की अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही हैं।

कर्मचारियों की निगरानी और सीसीटीवी में खामियां

सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच में कर्मचारियों की निगरानी, कैश काउंटिंग, सीसीटीवी व्यवस्था और दान राशि को मंदिर से बैंक तक पहुंचाने की प्रक्रिया में कई खामियां भी सामने आई हैं। इन्हीं कमियों के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। इस बीच राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और इसके सदस्य अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। यानी, जहां चढ़ावे में कथित अनियमितताओं की जांच अभी जारी है, वहीं दान में मिली चांदी की ईंटों को लेकर फैले कई दावों को एसआईटी ने रिकॉर्ड के आधार पर खारिज कर दिया है। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस फर्जी दावे मामले में आगे भी सभी सच्चाई की पड़ताल की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा,

▶8 पर

कैमरे में कैद हुआ पूरा सीन

हिडन कैमरे के जरिए देखा गया कि नोट गिनने वाले कर्मचारी हर गड्डी में एक्स्ट्रा नोट जमा कर देते। जब बैंक के पास रकम गिनने की बारी आती तो हर गड्डी की एक-एक नोट को गिनने के बजाए सिर्फ गड्डी गिनी जाती और उसका वाउचर बन जाता। जब यह रकम बैंक में जमा करने के लिए मंदिर से बैंक में ले जाई जाती, उस दौरान हर गड्डी में जो एक्स्ट्रा नोट लगाए गए थे, वे निकाल दिए जाते। इस तरह वाउचर से रकम का मिलान भी हो जाता और रकम चोरी भी हो रही थी।

अनुकल्प मिश्रा चढ़ावे के वाउचर बनाने की प्रक्रिया से जुड़ा था और वह यही हेराफेरी अपने बहनोई लव कुश मिश्रा के जरिए कर रहा था। मामला सामने आने के बाद लव कुश मिश्रा के ही घर से पुलिस ने करीब 10 लाख रुपए बरामद भी किए थे। नोट गिनने की प्रक्रिया से जुड़े सभी कर्मचारी किसी न किसी के परिचित थे, किसी न किसी की सिफारिश से काम करते थे। जैसे चंपत राय का ड्राइवर टिन्नू यादव व्यवस्थापक था, ऐसे में टिन्नू यादव ने अपने चचेरे भाई मनीष यादव को नोट गिनने की प्रक्रिया में लगा दिया था। ऐसे ही कई साल से काम कर रहे अनुकल्प मिश्रा ने अपने बहनोई लव कुश मिश्रा को लगवा दिया था।

▶8 पर

चंपत राय ने दिया इस्तीफा

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में शुक्रवार को बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया। राम मंदिर में मिले दान में कथित अनियमितताओं की जांच के बीच ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। दोनों नेताओं पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है, लेकिन जांच के बीच उनके इस्तीफे को नैतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर में प्राप्त दान में सात करोड़ रुपये से अधिक की कथित गड़बड़ी की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। जांच के दौरान दान प्रबंधन में कई स्तरों पर कथित खामियां सामने आने के बाद आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। हालांकि जांच एजेंसियों ने अब तक चंपत राय और अनिल मिश्रा को आरोपी नहीं बनाया है।

बताया जा रहा है कि दोनों ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और मंदिर प्रशासन की पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से अपने पद छोड़ने का फैसला किया है। ट्रस्ट के भीतर इसे प्रशासनिक जवाबदेही के रूप में भी देखा जा रहा है। 80 वर्षीय चंपत राय उत्तर प्रदेश के बिजनौर के रहने वाले हैं। सार्वजनिक जीवन में आने से पहले वह रसायन विज्ञान के प्राध्यापक रहे। कम उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े और वर्ष 1980 में

▶8 पर

केतन अग्रवाल मर्डर केस

फास्ट-ट्रैक कोर्ट, निकम पीपी

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)।

केतन अग्रवाल मर्डर केस में आरोपी सिया गोयल की ओर से पेश हुए वकील आशुतोष श्रीवास्तव ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस अपनी जांच निष्पक्ष तरीके से कर रही है। शुरुआत में यह मामला हादसे में हुई मौत (एक्सीडेंटल डेथ) के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच शुरू की, जो अभी भी जारी है। हमारी मुवक्किल सिया गोयल जांच में पूरा सहयोग कर रही हैं, ताकि पुलिस सही निष्कर्ष तक पहुंच सके, उचित चार्जशीट दाखिल कर सके और सच्चाई सामने आ सके। आशुतोष श्रीवास्तव ने आगे कहा, फिलहाल इस मामले में चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है, जिसके बाद कई बातें और स्पष्ट होंगी। लेकिन मेरा मानना है कि ऐसा कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं है, जो यह साबित कर सके कि मेरी मुवक्किल ने कोई अपराध किया है।

अपनी बात को आगे रखते हुए सिया के वकील ने कहा कि पुलिस के समक्ष दिया गया कोई भी बयान भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 23 के तहत न्यायालय में स्वीकार्य साक्ष्य नहीं माना जाता, जब तक कि वह बयान किसी मजिस्ट्रेट के समक्ष, पुलिस की अनुपस्थिति में और कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दर्ज न किया गया हो। उन्होंने कहा कि भारतीय कानून यह भी स्पष्ट करता है कि किसी भी आरोपी को स्वयं अपने विरुद्ध साक्ष्य देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। मैं और मेरी पूरी कानूनी टीम इस मामले की हर प्रगति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल पुलिस ने अभी तक चार्जशीट दाखिल नहीं की है, इसलिए हम जांच एजेंसी द्वारा दायर की जाने वाली चार्जशीट का इंतजार कर रहे हैं।

सिया के लिए मांगी जाएगी न्यायिक हिरासत

आशुतोष ने आगे कहा, हम चाहते हैं कि इस मामले में सभी पक्षों को न्याय मिले चाहे वह पीड़ित और उनका परिवार हो या

▶8 पर

सिया नित नई कहानी

पुणे के लोहागढ़ किले में हुए केतन अग्रवाल हत्याकांड में हर दिन नए और हैरान करने वाले खुलासे हो रहे हैं। लोनावला पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मुख्य आरोपी सिया गोयल पूछताछ के दौरान लगातार अपने बयान बदल रही है। पुलिस ने जब सिया और केतन के मोबाइल फोन की जांच की, तो उसमें मिले चैट सिया के दावों से बिल्कुल अलग कहानी बयां कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य आरोपी सिया अब पूछताछ में मनगढ़ंत कहानियां गढ़ने लगी है। एक अधिकारी ने बताया कि सिया ने पुलिस को दावा किया कि उसने केतन अग्रवाल को साफ बता दिया था कि वह उससे शादी नहीं करना चाहती। सिया का कहना है कि इसके जवाब में केतन हमेशा कहता था कि अब बहुत देर हो चुकी है, बात बहुत आगे बढ़ गई है और अब कुछ नहीं किया जा सकता।

मोबाइल चैट ने खोली सिया के दावों की पोल

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उनके पास सिया और केतन दोनों के मोबाइल फोन मौजूद हैं। इन फोन से बरामद किए गए चैट्स सिया की बातों को पूरी तरह झुठलाते हैं।

▶8 पर

बालिका ठाकुर
रक्त तिलक से राजतिलक

पाली, 26 जून (एजेंसियां)।

राजस्थान के पाली जिले से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने वर्षों पुरानी परंपराओं के बीच एक नया अध्याय जोड़ दिया। जिस समाज को घूंघट और पारंपरिक रीति-रिवाजों के लिए जाना जाता है, उसी समाज में पहली बार एक 12 साल की बालिका को गांव का ठाकुर और उत्तराधिकारी घोषित किया गया। यह ऐतिहासिक रस्म पाली जिले के खैरवा ठिकाने में निभाई गई, जहां ठाकुर हरीशचंद्र जोधा के निधन के बाद उनकी पुत्री तेजस्वी कुमारी जोधा को उत्तराधिकारी बनाया गया।

इस समारोह में 25 से अधिक गांवों के राजपरिवारों और ठाकुर परिवारों के सदस्य मौजूद रहे। सभी की सहमति और उपस्थिति में पूर्व राजवंशों की परंपरा के अनुसार तेजस्वी कुमारी जोधा का राजतिलक किया गया। समारोह के दौरान जोधपुर के पूर्व राजपरिवार की ओर से भेजी गई पारंपरिक पाग तेजस्वी कुमारी जोधा के सिर पर बांधी गई। यह रस्म पूर्व राजपरिवार के प्रतिनिधि ने पूरी की। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका पूजन और अभिषेक किया गया।

65 साल बाद निभाई गई पारंपरिक रस्म

राजतिलक की सबसे खास रस्म रक्त तिलक रही। राजपुरोहित शंकर सिंह ने तलवार से अपने अंगूठे पर हल्का चीरा लगाया और उसी रक्त से तेजस्वी कुमारी जोधा के मस्तक पर तिलक किया। इसके बाद उन्हें खैरवा गढ़ का उत्तराधिकारी घोषित किया गया। बताया गया कि पूर्व राजवंशों की यह पारंपरिक रस्म करीब 65 साल बाद निभाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, राजपरिवारों के सदस्य और दूर-दराज से आए अतिथि मौजूद रहे। पूरा गढ़ पारंपरिक माहौल में नजर आया। समारोह के दौरान चंवर डुलाए गए और चांदी के दंड लिए लोग भी परंपरागत वेशभूषा में मौजूद रहे।

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^{0}
न्यूनतम : 25^{0}

संजय जाजू नए सीएस
रामकृष्ण राव मुख्यमंत्री के सलाहकार

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

राज्य सरकार ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय जाजू को तेलंगाना का नया मुख्य सचिव (चीफ सेक्रेटरी) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 30 जून से प्रभावी होगी, जब वर्तमान मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव अपना विस्तारित कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त होंगे। सरकार ने सेवानिवृत्ति के बाद रामकृष्ण राव को मुख्यमंत्री का सलाहकार और पदेन विशेष मुख्य सचिव भी नियुक्त किया है। 1992 बैच के आईएएस अधिकारी संजय जाजू को उद्योग एवं वाणिज्य और सूचना प्रौद्योगिकी के विशेष मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय में उद्योग एवं निवेश सेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और स्पीड (स्मार्ट प्रोएक्टिव, एफिशिएंट एंड इफेक्टिव डिलीवरी) का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

▶8 पर

15-16 विधायक कतार में
शिंदे गुट का आपरेशन टाईगर सफल

नागपुर, 26 जून (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के नागपुर में शुक्रवार को शिवसेना शिंदे गुट में महाविकास अघाड़ी की तीनों पार्टियों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान, शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम, महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत, वित्त राज्य मंत्री आशीष जायसवाल, पूर्व सांसद व वर्तमान के विधायक कृपाल तुमाने मौजूद रहे। इस मौके पर इंडिया टीवी से बातचीत में संजय निरुपम ने दावा किया कि यूबीटी के 20 में से 15-16 विधायक शिवसेना शिंदे गुट में आने के लिए तैयार हैं। संजय निरुपम ने कहा कि ये हमारा नागपुर का ऑपरेशन टाइगर है। रोजाना शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में सैकड़ों लोग प्रवेश कर रहे हैं। शिंदे का नेतृत्व बहुत आकर्षक है। वे एक-एक कार्यकर्ता के साथ सीधा संवाद करते हैं। विकास उनका मेन एजेंडा है। लोगों के लिए बड़ा एक्सेसिबल रहते हैं। इसीलिए कार्यकर्ता उन्हें पसंद करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, शिवसेना प्रमुख के विचारों के आधार पर, उनके विचारों को लेकर के पूरी कट्टरता के साथ काम करने वाले व्यक्ति हैं। तो ऐसे नेता के नेतृत्व में सभी लोग शिवसेना में आना चाहते हैं, ये हम सब लोगों का भाग्य है। और इसलिए हमने दोनों हाथ फैला दिया हैं, जिसको आना है आइए,

▶8 पर

'1 करोड़' के सोने का दिखावा

हैदराबादी गोल्ड मैन अरेस्ट

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

सोशल मीडिया पर खुद को गोल्ड मैन के रूप में पेश करने वाले और करीब 1 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण पहनने का दावा करने वाले एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि जिस सोने को वह दिखाता था, उसकी असली कीमत महज 3 लाख रुपये थी। गोल्ड मैन पी. सुरेश कुमार पर सस्ते आयातित सोने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। विडंबना यह है कि इससे पहले आयकर विभाग की एक जांच में यह पाया गया था कि सुरेश कुमार जो अधिकांश आभूषण पहनता था, वे नकली (इमिटेशन) थे। हैदराबाद पुलिस ने अब धोखाधड़ी के आरोपों में सुरेश कुमार उर्फ सूर्या भाई के खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं और इस बात की जांच कर रही है कि क्या

▶8 पर

दुनिया के 65.5 करोड़ लोगों के पास बिजली की सुविधा नहीं, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

पेरिस

विकास के एजेंडे में आज ऊर्जा क्षेत्र सबसे ऊपर है। बावजूद इसके दुनिया भर में 65.5 करोड़ लोगों के पास अभी भी बिजली की सुविधा नहीं है और लगभग दो अरब लोग खाना पकाने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन और तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में किया गया है।

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर उप सहारा अफ्रीका पर पड़ा है। यहां 56 करोड़ से ज्यादा लोग बिना बिजली के रह रहे हैं और 97 करोड़ लोगों के पास खाना पकाने के लिए साफ-सुथरे ईंधन की सुविधा नहीं है।

ट्रैकिंग एसडीजी 7: द एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट के नए संस्करण में उपलब्ध विवरण चिंताजनक है। इसमें 2023 और 2024 के अध्ययन के हवाले से बताया गया है कि ज्यादातर इलाके सभी के लिए बिजली की सुविधा (यूनिवर्सल एक्सेस) के करीब पहुंच रहे हैं, वहीं उप सहारा अफ्रीका में प्रगति काफी धीमी है। 2030 तक सभी के लिए बिजली की सुविधा का लक्ष्य पाने के लिए इसकी रफ्तार को तीन गुना करना होगा।

इन चुनौतियों के बावजूद, टिकाऊ ऊर्जा (सस्टेनेबल एनर्जी) के कई क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति हुई है। इसने दुनिया भर में बिजली की कुल खपत में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी निभाई है। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की क्षमता 544 वाट प्रति व्यक्ति के वैश्विक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई।

विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय पब्लिक फ़ाइनेंशियल फ्लो में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और यह 24.6 बिलियन डालर तक पहुंच गया।

रिपोर्ट में चेताया गया है कि अगर तुरंत और बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की गई तो दुनिया 2030 तक सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने वाले एसडीजी 7 के लक्ष्य को हासिल करने में पीछे रह जाएगी।

मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट अभी भी जारी है। सबसे गरीब देशों में फंड का स्तर या तो एसडीजी 7 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है या फिर उसमें लगातार गिरावट आ रही है। सबसे कम विकसित देशों में स्वच्छ ऊर्जा के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में काफी कमी आई है। 2024 में यह 3.7 अरब डालर रही, जो 2023 के मुकाबले 11 फीसद कम है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल : सत्तारूढ़ दल के सांसद ने पार्टी के राजनीतिक प्रस्ताव का किया विरोध

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के प्रथम महाधिवेशन में प्रदेश सभा को हटाने संबंधी प्रस्ताव के पारित होने के बाद, आरएसपी के निर्वाचित सांसद डा. अमरेश कुमार सिंह ने कहा है कि लोकतंत्र, संघीयता और समावेशिता में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा। जनकपुरधाम से सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया सार्वजनिक करते हुए सांसद सिंह ने कहा कि नेपाल की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संघीय शासन प्रणाली और समावेशी चरित्र के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश हुई तो नेपाली जनता उसका सशक्त विरोध करेगी। उन्होंने कहा, जगत जननी सीतामाता की भूमि जनकपुरधाम से आज फिर कह रहा हूं— नेपाल के लोकतंत्र, संघीयता और समावेशिता के साथ यदि कोई छेड़छाड़ करता है, तो नेपाली जनता उसका मजबूती से प्रतिरोध करेगी। सांसद सिंह ने कहा कि नेपाली जनता की मुख्य अपेक्षा सुशासन और समृद्धि है। उन्होंने राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों से इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने कहा, जनता सुशासन और समृद्धि चाहती है। हम हर कदम पर जनता के साथ रहेंगे। आरएसपी द्वारा प्रथम महाधिवेशन में प्रदेश सभा खारिज करने की नीति पारित किए जाने के बाद राजनीतिक हलकों में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। पार्टी ने अपने महाधिवेशन में प्रदेश सभा समाप्त करने से संबंधित नीति दस्तावेज को मंजूरी दी थी।

बिल गेट्स का दावा: एपस्टीन ने विवाहेतर संबंधों को लेकर ब्लैकमेल करने का किया प्रयास

वाशिंगटन। माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष बंद-दरवाजा गवाही में खुलासा किया है कि दिवंगत वित्त कारोबारी और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने उन्हें उनके विवाहेतर संबंधों से जुड़ी जानकारी के आधार पर ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। गेट्स ने दावा किया कि एपस्टीन उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाना चाहता था, लेकिन उसका यह प्रयास सफल नहीं हुआ। इस खुलासे का विवरण सार्वजनिक किए गए गेट्स की 10 जून को हुई गवाही के ट्रांसक्रिप्ट में है, जो एपस्टीन के नेटवर्क और प्रभावशाली व्यक्तियों से उसके संबंधों की व्यापक जांच का हिस्सा है। गेट्स ने स्वीकार किया कि 2008 में यौन अपराधों के लिए एपस्टीन को दोषी ठहराने के बावजूद, उन्होंने 2011 में उससे संपर्क किया। उन्होंने बताया कि 2014 तक उन्होंने एपस्टीन से सभी संबंध समाप्त कर लिए थे। संबंध खत्म होने के बाद, एपस्टीन ने उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाने के लिए उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी का दुरुपयोग किया। गेट्स ने अपनी दो वयस्क रूसी महिलाओं के साथ विवाहेतर संबंध होने की पुष्टि की, लेकिन स्पष्ट किया कि उनका एपस्टीन के किसी भी आपराधिक नेटवर्क या गैरकानूनी गतिविधियों से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने एसटीडी, ड्रग्स या महिलाओं से मिलवाने संबंधी एपस्टीन के किसी भी आरोप को सिरे से खारिज किया, और इस बात पर जोर दिया कि एपस्टीन ने कभी उनके लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की।

300 किमी की गति से दौडने वाली बुलेट ट्रेन में 60 साल में नहीं हुई दुर्घटना

टोक्यो। जापानी की लगभग 300 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन शिंकानसेन न केवल अपनी रफ्तार बल्कि सुरक्षा और समय की पाबंदी के लिए भी पूरी दुनिया में मिसाल मानी जाती है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि संचालन शुरू होने के बाद से अब तक शिंकानसेन में किसी भी यात्री की जान लेने वाली दुर्घटना नहीं हुई है। न तो इसकी किसी अन्य ट्रेन से टक्कर हुई और न ही यह किसी बड़े हादसे का शिकार बनी। वर्ष 1964 में टोक्यो ओलंपिक से पहले शुरू हुई यह हाई-स्पीड रेल सेवा आज जापान की तकनीकी क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक बन चुकी है। पिछले छह दशकों में यह प्रणाली 10 अरब से अधिक यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचा चुकी है। शिंकानसेन की सफलता का सबसे बड़ा कारण इसका विशेष रेल नेटवर्क है। इसके लिए अलग पटरियां बनाई गई हैं, जिन पर न तो मालगाड़ियां चलती हैं और न ही सामान्य यात्री ट्रेनें। इससे टक्कर की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। इसके अलावा अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रणाली लगातार ट्रेन की गति, दूरी और संचालन की निगरानी करती रहती है। यदि चालक से कोई गलती होने की आशंका भी होती है।

12 साल के बच्चे ने 6 घंटे तक हाईवे पर दौड़ाई कार , पुलिस ने पकड़ा तो बताया खुद को बौना

बीजिंग

चीन के गुआंग्शी शहर में एक अविश्वसनीय घटना सामने आई है, जहां लगभग 12 साल के एक लड़के ने 6 घंटे तक अकेले हाईवे पर कार दौड़ाई। जब पुलिस ने उसे पकड़ा तो उसने खुद को बौनापन का शिकार बताया और दावा किया कि वह एक वयस्क है। इस घटना ने पुलिस और सोशल मीडिया यूजर्स दोनों को हैरान कर दिया है, क्योंकि यह न केवल सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा था बल्कि एक बच्चे की असाधारण हिम्मत और गैर-जिम्मेदारी को भी उजागर करता है। लुओ नाम के इस लड़के को 15 जून को एक टोल प्लाजा कर्मचारी ने पहली बार देखा। उसकी कद-काठी बेहद छोटी थी, जिस कारण कर्मचारी को तुरंत शक हुआ कि यह व्यक्ति वाहन चलाने के लिए बहुत छोटा है।

जब उससे पूछताछ की गई तो उसने दावा किया कि वह एक वयस्क है, लेकिन वह बौनापन से पीड़ित है। हालांकि, उसकी बात पर किसी को भी आसानी से भरोसा नहीं हुआ और संदेह गहराने पर तुरंत पुलिस को बुला लिया गया। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ कि वह सिर्फ 12 साल का बच्चा है और उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है। पूछताछ के दौरान उसने पहले कहा कि वह अपनी चाची की कार लेकर दादी के घर जा रहा था। लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि कार पड़ोसी की थी और उसने चाबी चोरी की थी।सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि लड़का सुबह करीब 4 बजे अपने घर से निकला था। पुलिस के रोके जाने तक वह 6 घंटे से भी ज्यादा समय तक हाईवे पर गाड़ी चला चुका था। उसने पूरे रास्ते टोल टैक्स भी भरा, जो उसकी योजनाबद्ध तरीके से की गई इस हरकत को दर्शाता है।

आखिरकार वह तब पकड़ा गया जब उसके पैसे खत्म हो गए और वह आगे टोल नहीं दे पाया। लुओ ने पुलिस को बताया कि उसने और उसके दोस्तों ने खुद ही ड्राइविंग सीख ली थी और वह पहले भी कई बार सड़कों पर कार चला चुका था। यह दर्शाता है कि यह उसकी पहली ऐसी हरकत नहीं थी, जिससे घटना की गंभीरता और बढ़ जाती है।पुलिस ने इस घटना को बेहद खतरनाक बताया और कहा कि इससे एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी, जिसमें न केवल बच्चे की जान बल्कि अन्य राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। अधिकारियों ने लड़के के माता-पिता और कार मालिक दोनों को थाने बुलाया और उन्हें इस गंभीर चूक के लिए कड़ी चेतावनी दी। साथ ही, परिवार को बच्चे को यातायात के नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में बेहतर शिक्षा देने की सलाह दी गई, ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी खतरनाक घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस घटना पर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हुई। कुछ यूजर्स ने बच्चे की इस हरकत को बेहद खतरनाक बताते हुए लिखा कि इससे कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। वहीं, कुछ अन्य यूजर्स ने इस बात पर हैरानी जताई कि पड़ोसी को तो पता भी नहीं था कि उसकी कार गायब है, जो सुरक्षा लापरवाही की ओर भी इशारा करता है। यह घटना बच्चों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति और माता-पिता की निगरानी की आवश्यकता पर गंभीर सवाल उठाती है।

पर्यावरणीय संकट का रूप ले चुकी एल्गल ब्लूम और यूट्रोफिकेशन की समस्या

लंदन। एल्गल ब्लूम और यूट्रोफिकेशन की बढ़ती समस्या दुनियाभर की नदियों और झीलों के सामने गंभीर पर्यावरणीय संकट का रूप ले चुकी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सैटेलाइट मानिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीक इस चुनौती से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके जरिए जल स्रोतों में एल्गल ब्लूम की समय रहते पहचान कर प्रभावी कदम उठाए जा सकेंगे। यह समस्या न केवल जलीय जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बन रही है, बल्कि मानव स्वास्थ्य और स्वच्छ जल आपूर्ति पर भी गहरा असर डाल रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, खेतों में इस्तेमाल होने वाले उर्वरक और शहरों का सीवेज जब नदियों और झीलों में पहुंचता है तो पानी में पोषक तत्वों की मात्रा असामान्य रूप से बढ़ जाती है। इसके परिणामस्वरूप काई यानी एल्गी तेजी से फैलने लगती है और जल सतह पर मोटी परत बना लेती है। यह परत सूर्य की रोशनी को पानी के भीतर तक पहुंचने से रोक देती है, जिससे जलीय पौधों का विकास बाधित होता है और वे धीरे-धीरे नष्ट होने लगते हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब यह एल्गी मरने लगती है। उसे विघटित करने वाले बैक्टीरिया बड़ी मात्रा में आक्सीजन का उपभोग करते हैं, जिससे पानी में आक्सीजन की कमी हो जाती है। इस प्रक्रिया को यूट्रोफिकेशन कहा जाता है। आक्सीजन घटने के कारण मछलियों और अन्य जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ जाता है और कई बार बड़े पैमाने पर उनकी मौत हो जाती है। इससे पूरे नदी तंत्र का संतुलन बिगड़ जाता है। एल्गल ब्लूम का असर केवल जलीय जीवन तक सीमित नहीं है।

मुस्लिम देशों में नहीं बल्कि पाकिस्तान में सुधरी अमेरिका की छवि 570

वाशिंगटन

अमेरिकी शोध संस्था प्यू रिसर्च सेंटर की हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ऐसा एकमात्र मुस्लिम-बहुल देश रहा, जहां अमेरिका के प्रति लोगों की धारणा में सुधार दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता प्रक्रिया में पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका को लेकर वहां के लोगों के बीच अमेरिका की छवि अपेक्षाकृत बेहतर हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के घटनाक्रमों के बाद पाकिस्तान में अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच में कुछ वृद्धि देखी गई है। हालांकि, यह बदलाव अमेरिकी नेतृत्व या उसकी नीतियों पर पूर्ण विश्वास के रूप में सामने नहीं आया है। सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान के 82 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर भरोसा नहीं है, जबकि केवल 12 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उन पर विश्वास जताया। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की छवि में सुधार के बावजूद उसके नेतृत्व को लेकर व्यापक स्तर पर संदेह बना हुआ है।

प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में खुलासा, ट्रम्प पर भरोसा अब भी कम

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 76 प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिक मानते हैं कि अमेरिका उनके देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है। यह आंकड़ा दोनों देशों के संबंधों को लेकर पाकिस्तान की जनता के मन में मौजूद अविश्वास और आशंकाओं को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध लंबे समय से सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और क्षेत्रीय राजनीति से प्रभावित रहे हैं। ऐसे में किसी विशेष परिस्थिति में सकारात्मक धारणा बनने के बावजूद जनता के बीच पुराने अनुभवों और राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रभाव बना रहता है। इस आधार पर कहा जा रहा है कि प्यू रिसर्च की रिपोर्ट यह संकेत दे रही है कि पाकिस्तान में अमेरिका के प्रति दृष्टिकोण में कुछ नरमी जरूर आई है, लेकिन अमेरिकी नीतियों, नेतृत्व और क्षेत्रीय हस्तक्षेप को लेकर संदेह अब भी गहरा है।

ट्रंप ने जेलेंस्की की सराहना कर उन्हें रूस के खिलाफ युद्ध में साहसी बताया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेंस्की की सराहना कर उन्हें रूस के खिलाफ युद्ध में साहसी बताया। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की अपनी स्थिति पर डटे हुए हैं और यूक्रेन काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रूटे के साथ मुलाकात के दौरान, ट्रंप से पूछा गया कि क्या यूक्रेन रूस के खिलाफ लड़ाई जीत रहा है, तब उन्होंने जवाब दिया, वह काफी अच्छा कर रहे हैं। ट्रंप ने युद्ध की मानवीय कीमत को स्वीकार कर कहा कि दोनों तरफ बहुत से लोग मर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन की सैन्य क्षमता और उसके सैनिकों की प्रशंसा करते हुए कहा, आपको कहना होगा कि वे हिम्मतवाले हैं। उनके पास ना केवल बढ़िया उपकरण हैं, बल्कि बढ़िया आदमी भी हैं। उनके पास फाइटर्स हैं।यह टिप्पणी अगले माह अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन की तैयारियों के बीच आई है, जहाँ यूक्रेन को लगातार समर्थन एक प्रमुख मुद्दा रहने की उम्मीद है। नाटो महासचिव रूटे ने कहा कि हाल के महीनों में यूक्रेन की युद्ध क्षेत्र की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उन्होंने कीव को रूसी सेना का सामना करने में मदद करने के लिए लगातार अमेरिकी मदद को श्रेय दिया। रूटे ने कहा, यूक्रेन पिछले पांच, छह महीनों में पहले से कहीं बेहतर कर रहा है।

ट्रंप ने मुनीर प्रेम में खोया अपनी ही पार्टी का भरोसा, अब उन्ही की पार्टी के निशाने पर राष्ट्रपति

वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए अचानक प्रेम दर्शाते हुए पाकिस्तान और कतर को बिचौलिया बनाया, जिसने उनकी अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के भीतर गंभीर असंतोष पैदा कर दिया है। स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच हुई इस शांति वार्ता में इन दोनों देशों की मध्यस्थता की भूमिका ने पार्टी के सीनेटरों को इस कदर भड़का दिया है कि वे खुलेआम ट्रंप की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी के दो प्रमुख सीनेटरों ने पाकिस्तान और कतर को आतंकवाद की महफूज पनाहगाह करार दिया है। इस अंदरूनी विद्रोह ने वाशिंगटन में खलबली मचा दी है, क्योंकि ट्रंप पर अपनी ही पार्टी का भरोसा खोने का खतरा मंडराने लगा है।

अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के दो सीनेटरों ने ईरान के साथ युद्धविराम बातचीत में कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दोनों देशों पर आतंकवाद का समर्थन करने का सीधा आरोप लगाया है। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्काट ने कतर और पाकिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल की घटनाओं से यह साफ हो गया है कि असल में हमारे दोस्त कौन हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, अब तक सबको समझ आ जाना चाहिए कि हमारे असली दोस्त कौन हैं। कतर और पाकिस्तान का आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास रहा है। इस समय वे एक सही और स्थायी शांति हासिल करने से ज्यादा ईरान के दशकों पुराने आतंकवादी अभियान को बढ़ावा देने में लगे हुए दिख रहे हैं। स्काट ने यह भी कहा कि अभी भी एक ऐसे समझौते की गुंजाइश है जिससे सभी को फायदा हो, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि इस प्रक्रिया से ईरान के परमाणु हथियार बनाने की संभावना शून्य हो।

वहीं, मोंटाना से रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने भी पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने इस बात की याद दिलाई कि पाकिस्तान ने अल-कायदा के संस्थापक ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छिपाया था, जो उसकी विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। उन्होंने कतर पर भी आतंकवादी संगठनों के लिए पैसे के लेन-देन में मदद करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में पुलिस पर अवामी लीग के तीन कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप

ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के तीन कार्यकर्ताओं की मौत पर गंभीर सवाल उठे हैं। परिवार वालों का कहना है कि इसमें पुलिस की साजिश है। तीनों की हत्या की गई है। बताया गया है कि चार दिन के अंदर पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में इनकी मौत हो गई। लोगों ने विरोध-प्रदर्शन भी किया है। उल्लेखनीय है कि अवामी लीग पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगा हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, ये घटनाएं 21 जून से 25 जून के बीच बारीसाल, फरीदपुर और चटगांव में हुईं। इनमें वार्डस्तर के अवामी लीग नेता, छात्र लीग के कार्यकर्ता और जुबो लीग के नेता शामिल हैं। अधिकारियों ने हर मामले में अलग-अलग कारण बताए हैं, लेकिन परिवारों और राजनीतिक समर्थकों ने इन मौतों के हालात पर सवाल उठाए हैं। ताजा घटना बुधवार की है।

बताया गया है कि चटगांव के सतकानिया उपजिले में ढेमशा यूनियन जुबो लीग के संयुक्त संयोजक नूरुल आलम की मौत हो गई। उन्हें विस्फोटक मामले में जेल भेजे जाने के एक दिन से भी कम समय बाद चटगांव सेंट्रल जेल से चटगांव मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया था।

जेल अधिकारियों ने बताया कि नूरुल ने बुधवार सुबह अस्वस्थ महसूस करने की शिकायत की। पहले उनका इलाज जेल अस्पताल में हुआ और फिर उन्हें चटगांव मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनके मृत्यु प्रमाणपत्र में मौत का कारण सांस लेने में तकलीफ बताया गया है। उनके परिवार ने आधिकारिक स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया और आरोप लगाया कि मंगलवार को डिटेक्टिव ब्रांच पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। उनकी साजिश के तहत हत्या की गई।

यह घटना फरीदपुर के मधुखाली के छात्र लीग कार्यकर्ता मिर्जा इश्तियाक अहमद की मौत के बाद हुई। मिर्जा की रविवार को मौत हो गई थी। उनके परिवार के अनुसार, इश्तियाक को शनिवार दोपहर जिला डिटेक्टिव ब्रांच ने गिरफ्तार किया गया। मां के सामने उसे पीटा गया। अगली सुबह फरीदपुर मेडिकल कालेज अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने उनकी मौत का कारण सार्वजनिक नहीं किया है। इस घटना के बाद मधुखाली में विरोध-प्रदर्शन हुआ। स्थानीय लोगों ने परिवार के अनुरोध पर नाकाबंदी हटाने से पहले लगभग 40 मिनट तक ढाका-खुलना हाइवे जाम रखा।

इस घटना के बाद मंगलवार को फरीदपुर डीबी सदर जोन के प्रभारी अधिकारी सैयद मोहम्मद आलमगीर हुसैन को हटाकर उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया। अधिकारियों ने इसके लिए प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया। इन तीन घटनाओं में से पहली घटना रविवार को बारिसाल में हुई, जहां वार्ड नंबर 1 अवामी लीग के महासचिव राशिद खान मेनन की मौत हो गई। आरोप है कि पुलिस की छापेमारी के दौरान गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में उनकी मौत हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राशिद छतों के जरिये भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी वे फिसल गए, उनके सिर में चोट लगी और वे गिर पड़े।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आज से

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। समण संस्कृति संकाय, जैन विश्व भारती द्वारा 27 एवं 28 जून 2026 को राष्ट्रीय स्तर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं वरीयता प्राप्त सम्मान समारोह–2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम आचार्य श्री महाश्रमण के पावन सान्निध्य में जैन विश्व भारती, लाडनूं की पुण्य धरा पर संपन्न होगा।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस गरिमामय आयोजन में पर्यवेक्षक मुनि श्री कीर्ति कुमारजी का विशेष सान्निध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जो कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी दिशा प्रदान करेगा।

योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत आयोजित इस विशेष सम्मेलन में देशभर से प्रमुख कार्यकर्ता, संगठन पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं वरीयता प्राप्त प्रतिभागी भाग लेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन को सुदृढ़ बनाना, शिक्षण–प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, संस्कारों का संवर्धन करना तथा समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान करना है। इस अवसर पर जैन विश्व भारती, सम्यक दर्शन कार्यशाला वरीयता, आगम मंथन प्रतियोगिता वरीयता, 'जाने जैन धर्म का इतिहास' वरीयता तथा 'प्रबोध में बोध' प्रतियोगिता में वरीयता प्राप्त प्रतिभागियों का सम्मान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त संगठन विस्तार, रणनीति सत्र, प्रेरक मार्गदर्शन तथा कार्यकर्ता विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

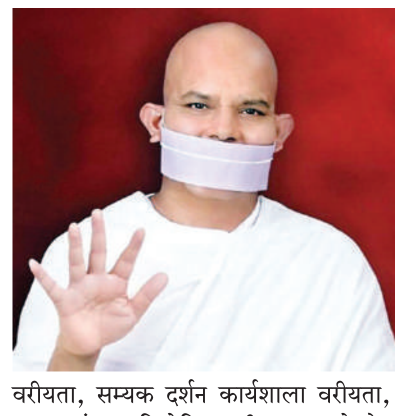

राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में जैन विश्व भारती के मुख्य ट्रस्टी जयंतीलाल सुराणा, अध्यक्ष अमरचंद लुंकड़, मंत्री सलील लोढ़ा, जैन विश्व भारती परिसर के संयोजक धर्मचंद लुंकड़, योगक्षेम प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष प्रमोद बैद, मंत्री निर्मल कोटेचा, समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष मालचंद बैगानी, सह विभागाध्यक्ष हनुमान लुंकड़, जैन विद्या के संयोजक डॉ. विजय संचेती, आगम मंथन प्रतियोगिता के संयोजक गौतम डागा, सम्यक दर्शन कार्यशाला के संयोजक पुखराज डागा तथा टेक्निकल संयोजक उमेश सेठिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में जयेश मेहता अपने विचार व्यक्त करेंगे। हैदराबाद से भी अनेक कार्यकर्ता एवं प्रतिभागी सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाडनूं रवाना हुए हैं।

आयोजकों के अनुसार यह आयोजन कार्यकर्ताओं एवं वरीयता प्राप्त प्रतिभागियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहां उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण, संस्कार, संगठनात्मक अनुभव तथा प्रेरक मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त होगा। आयोजकों ने सभी आमंत्रित सदस्यों एवं प्रतिभागियों से कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा ही राधे–राधे ग्रुप का मूल उद्देश्य : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वाधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं असहाय लोगों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा के इस पुण्य अभियान को सफल बनाया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से बिना किसी भेदभाव के निरंतर मानव सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। जाति, धर्म, भाषा और वर्ग से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की सेवा करना ही ग्रुप का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह सौभाग्य है कि हमें ऐसे सेवा कार्यों से जुड़ने का अवसर मिला है। सेवा करने से समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना मजबूत होती है तथा जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने से जो आत्मिक संतोष मिलता है, वही सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप के सभी सदस्य निस्वार्थ भाव से प्रतिदिन सेवा कार्यों में अपना समय, श्रम और सहयोग समर्पित करते हैं। यही सामूहिक भावना इस संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। ग्रुप भविष्य में भी अन्नदान, सेवा एवं जनकल्याण के ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखेगा। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, विनोद तोष-णीवाल, दीपचंद अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित अनेक सेवा सहयोगी उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धापूर्वक अन्नदान सेवा में अपना योगदान दिया।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस : गोलकुंडा जोन द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति और अवैध तस्करी निषेध दिवस 2026 (वर्ल्ड ड्रग डे) के विशेष अवसर पर, गोलकुंडा जोन द्वारा एक विशाल नशा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और एक नशा मुक्त व स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा देना था।

इस महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान में क्षेत्र के कई प्रमुख पुलिस अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। रैली में अतिरिक्त डीसीपी कृष्ण गौड़ गारू, एसीपी वी. तिरुपति गारू, एसएचओसिराघवेंद्र गारू के साथ–साथ मंगलहाट, कुलसुमपुरा और टप्पाचबूतरा थानों के एसएचओ विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा, मंगलहाट की पूर्व कॉर्पोरेटर परमेश्वरी सिंह लोध, अतिरिक्त निरीक्षक, उप-निरीक्षक, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, जन प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र–छात्राएं इस अभियान का हिस्सा बने।

यह रैली पुरानापुल स्थित गांधी प्रतिमा से शुरू हुई, जो विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई जियागुड़ा के रंगनाथ स्वामी मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों में भारी उत्साह देखा गया।

रैली के समापन पर वहां मौजूद सभी अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और छात्रों ने देश और समाज को नशे की इस गंभीर समस्या से बचाने के लिए एक साथ मिलकर काम करने की शपथ ली। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से प्रतिज्ञा ली कि वे एक नशा मुक्त, स्वस्थ और मजबूत समाज के निर्माण में अपना पूरा योगदान देंगे।

तेलंगाना में यादव-अहीर समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य में यादव–अहीर समुदाय को केंद्र सरकार की अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने सांसद डॉ. के. लक्ष्मण से इस विषय में केंद्र स्तर पर आवश्यक सहयोग एवं पहल करने का अनुरोध किया। ज्ञापन सौंपने वालों में चौधरी गोपाल, चौधरी धन्नूलाल, चौधरी जयप्रकाश, राजाराम यादव, शिवचरण अहीर, बजरंग लाल यादव, कन्हैयालाल यादव, गजानन खेरियावाले सहित अन्य समाजजन उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि तेलंगाना राज्य में 'सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों' की सूची के ग्रुप–डी में क्रम संख्या 48 पर अहीर/अहीर यादव समुदाय को पहले से ही राज्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल किया जा चुका है।

इसके बावजूद समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल होने से समुदाय के युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में केंद्र सरकार की योजनाओं और आरक्षण संबंधी सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। इस संबंध में उन्होंने केंद्र सरकार के समक्ष विषय को प्रभावी ढंग से उठाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषय पर नियमानुसार आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

नशा विरोधी दिवस पर रैली

मंचेरियल, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के अवसर पर आज जिलाधीश कुमार दीपक के नेतृत्व में बाइस हाई स्कूल से आईबी चौराहे तक रैली निकाली गई।

रैली में डीसीपी भास्कर, 13वीं बटालियन के कमांडेंट वेंकटेश्वरलु, सहायक कमांडेंट नागभूषणम, एसीपी प्रकाश, स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थी व अन्य लोग शामिल हुए।

जिलाधीश ने युवाओं को नशे से दूर रहने, योग व कसरत करने की सलाह दी और समाज को नशा मुक्त बनाने की अपील की।

एसआईआर का निरीक्षण

मंचेरियाल, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल निर्वाचन क्षेत्र में आज जिले की पूर्व डीसीसी अध्यक्ष श्रीमती कोक्कीराला सुरेखा प्रेम सागर राव ने एसआईआर विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

उन्होंने नगर निगम के डिवीजन 52, 20, 53, 50, 21 में चल रहे कार्यक्रम का निरीक्षण किया और अधिकारियों को नए नाम जोड़ने, मृतकों व स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के निर्देश दिए।

इस दौरान बीएलओ, स्थानीय पार्षद, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व डीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि पूरे जिले में पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है और कांग्रेस कार्यकर्ता भी लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस नीति घोषित करने की मांग

बांसवाड़ा, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को कामारेड्डी जिला केंद्र में हुए प्रशिक्षण सत्र में तापस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट भुनेकर संतोष ने कर्मचारियों के हेल्थ इंश्योरेंस की नीति तुरंत घोषित करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि हेल्थ कार्ड की जानकारी दिए बिना वेतन से 1.5% कटौती अनुचित है। साथ ही लंबित डीए, पीआरसी की घोषणा, सीपीएस सिस्टम रद्द करने और गुरुकुल, केजीबीवी व मॉडल स्कूल शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग की। मांगें पूरी न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी।

कार्यक्रम में स्टेट एसोसिएट प्रेसिडेंट रामकृष्ण रेड्डी, स्टेट सेक्रेटरी राघव रेड्डी, रमेश कुमार, डिस्ट्रिक्ट चीफ सेक्रेटरी सत्यनारायण सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

पल्स पोलियो बूथ डे कल

पेद्दापल्ली, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने पल्स पोलियो कार्यक्रम को सख्ती से लागू कर सफल बनाने के निर्देश दिए।

28 जून को बूथ डे होगा, जबकि 29–30 जून को घर–घर सर्वे किया जाएगा। जिले में 62,902 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए 381 बूथ, 25 मोबाइल टीमें और 24 ट्रांजिट पॉइंट बनाए गए हैं।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता व पंचायत सचिवों को प्रवासी, ईंट भट्ठा व निर्माण मजदूरों के बच्चों पर विशेष ध्यान देने को कहा। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर भी ट्रांजिट पॉइंट बनाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी बच्चा पोलियो ड्रॉप से वंचित न रहे।

नशा विरोधी दिवस पर जागरूकता रैली

पेद्दापल्ली, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस पर रामागुंडम पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पेद्दापल्ली में जागरूकता रैली निकाली गई।

एसआई प्रवीण कुमार व एसआई नरेश के नेतृत्व में छात्रों ने कॉलेज ग्राउंड से जेंडा चौराहे तक रैली निकाली और मानव श्रृंखला बनाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि डीसीपी बी. राम रेड्डी व एसीपी जी. कृष्णा ने युवाओं को नशे से दूर रहने, पढ़ाई व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने ड्रग्स से जुड़ी सूचना डायल–100 या टोल–फ्री 1908 पर देने की अपील की। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, छात्रों व शिक्षकों ने नशा न करने की शपथ ली।

एसआईआर प्रक्रिया पर जागरूकता अभियान

बांसवाड़ा, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत निज़ामाबाद नगर आयुक्त दिलीप कुमार ने 21वें डिवीजन में सर्वे किया और कॉर्पोरेटर पंचा रेड्डी ललिता चरण के साथ मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी दी।

सीनियर एडवोकेट कृपाकर रेड्डी को बीएलओ प्रक्रिया का दस्तावेज सौंपा गया। कॉर्पोरेटर ने लोगों से एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेने, 18 वर्ष पूरे कर चुके युवाओं का पंजीकरण कराने, गलतियां सुधरवाने, दो जगह नाम हटवाने और मृतकों की जानकारी देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में नाम जरूरी है, तभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में डिवीजन स्पेशल ऑफिसर प्रशांत, वार्ड ऑफिसर ऐश्वर्या व अन्य मौजूद रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेंगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगें।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 जून 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 12:46 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 10:12 तक
योग : साध्य दोपहर 12:32 तक
करण : कौलव प्रात: 11:35 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:44 सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि प्रदोष व्रत , वट सावित्री व्रत आरंभ , गण्डमूल रात्रि 10:13 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तिरूपति भगवान वेंकटेश्वर की मूर्ति की कुछ अनोखी बातें

मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर, दाईं ओर एक एक छडी रहती है जिसका इस्तेमाल वहां उपस्थिति वेंकटेश्वर स्वामी को हिट करने के लिए अनंतालवर के द्वारा किया जाता था। जब इस छड का इस्तेमान नन्हे बालक के रूप में वेंकटेश्वर को मारने के लिए किया गया था, तो उनकी ठोडी पर चोट लग गई थी। तब से वेंकटेश्वर को चंदन का लेप ठोडी पर लगाये जाने की शुरूआत की गई।

इस मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी की मूर्ति पर लगे हुए बाल उनके असली बाल हैं। ऐसा कहा जाता है कि ये बाल कभी उलझते नहीं है और हमेशा इतने ही मुलायम रहते हैं। इस मंदिर से 23 किमी दूर एक गांव स्थित है। इस गांव में सिर्फ वही लोग आ जा सकते हैं जो इस गांव के निवासी हो। इस गांव के लोग, सख्त नियमों के साथ अपना जीवन बिताते हैं। इसी गांव से भगवान वेंकटेश्वर के लिए, फूल, दूध, घी, मक्खन आदि सामग्री जाती है। वेंकटेश्वर स्वामी की स्थापना, गर्भ गुदी के मध्य में की गई है, ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन वास्तव में, जब आप इसे बाहर से खड़े होकर देखें, तो पाएंगे कि यह मंदिर के दाईं ओर स्थित है। मूर्ति पर चढाये जाने वाले सभी फूलों और तुलसी पत्रों को भक्तों में न बांटकर, परिसर के पीछे बने पुराने कुएं में फेंक दिया जाता है। स्वामी का पिछला हिस्सा सदैव नम रहता है। अगर आप ध्यान से कान लगाकर सुनें तो आपको सागर की आवाज सुनाई देती है। गुरूवार के दिन, मंदिर में निज रूप दर्शनम् का आयोजन किया जाता है, जिसमें सफेद चंदन के पेस्ट से स्वामी को रंग दिया जाता है। जब इस लेप को हटाया जाता है तो माता लक्ष्मी के चिन्ह् बने रह जाते हैं। इन चिन्हों को मंदिर के अधिकारियों द्वारा बेच दिया जाता है। जिस प्रकार जब किसी की मृत्यु हो जाती है तो पीछे मुडकर नहीं देखा जाता है और न ही रोशनी की जाती है। उसी प्रकार, इस मंदिर के पुजारी, पूरे दिन मूर्ति के पुष्पों को पीछे फेंकते रहते हैं और उन्हें नहीं देखते हैं। मंदिर में चढाये जाने वाले फूलों को दूर स्थित एक विशेष गांव से लाया जाता है।

इस मंदिर में एक दीया कई सालों से जल रहा है किसी को नहीं ज्ञात है कि इसे कब जलाया गया था। 1800 में, इस मंदिर को कुल 12 वर्षों के लिए बंद कर दिया गया था। उस दौरान, एक राजा ने 12 लोगों को दंडस्वरूप मौत की सजा दी और मंदिर की दीवार पर लटका दिया। कहा जाता है कि उस समय विमान वेंकटेश्वर स्वामी प्रकट हुए थे।

बालाजी की मूर्ति पर पचाई कर्पूरम चढाया जाता है जो कपूर से मिलकर बना होता है। अगर इसे किसी साधारण पत्थर पर चढाया जाये, तो वह कुछ ही समय में चटक जाये, लेकिन मूर्ति पर इसका प्रभाव नगण्य रहता है। मूर्ति का तापमान 110 फारेनहाइट रहता है, जबकि इसे प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे ही जल, दूध से स्नान करा दिया जाता है। स्नान कराने के बाद मूर्ति से पसीना आता है जिसे पोंछा जाता है।

जानिए, एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है

देवताओं के सेनापति कहे जाने वाले शिव पुत्र कार्तिकेय मोर पर सवार होकर असुरो के साथ हुए युद्ध में विजय दिलवाए थे। क्या आप जानते हैं मोर के पंख हमारे लिए कितना उपयोगी है।

मोर के पंख का उपयोग। यही मोर का पंख हमारे ज्योतिष-शास्त्र एवं वास्तु शास्त्र के द्वारा मनुष्य जीवन में कितना भाग्यशाली सिद्ध होता है कि एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है।

इसे नित्य प्रयोग में लाने से असंभव कार्य भी संभव से होने लगते है। निम्न प्रयोगों के द्वारा आप भी शुभ मोर के पंखों से लाभ उठा सकते है। घर के दक्षिण-पूर्व कोण में लगाने से बरकत बढती है, व अचानक कष्ट नहीं आता है। यदि मोर का एक पंख किसी मंदिर में श्री राधा-कृष्ण कि मूर्ती के मुकुट में 40 दिन के लिए स्थापित कर प्रतिदिन मक्खन-मिश्री का भोग सांयकाल को लगाए, 41वें दिन उसी मोर के पंख को मंदिर से दक्षिणा-भोग दे कर घर लाकर अपने खजाने या लाकर्स में स्थापित करें। तो ऐसा माना जाता है कि धन,सुख-शान्ति कि वृद्धि हो रही है। सभी रुके हुए कार्य पूरे होंगे ।

काल-सर्प के दोष को भी दूर करने की इस मोर के पंख में अद्भुत क्षमता है। काल-सर्प वाले व्यक्ति को अपने तकिये के खौल के अंदर 7 मोर के पंख सोमवार रात्री काल में डालें तथा प्रतिदिन इसी तकिये का प्रयोग करे। और अपने बैड रूम की पश्चिम दीवार पर मोर के पंख का पंखा जिसमे कम से कम 11 मोर के पंख तो हों लगा देने से काल सर्प दोष के कारण आयी बाधा दूर होती है। बच्चा जिदी हो तो इसे छत के पंखे के पंखों पर लगा दे ताकि पंखा चलने पर मोर के पंखो की भी हवा बच्चे को लगे धीरे-धीरे हठ व जिद कम होती जायेगी। जैसे कि पहलें वर्णन किया कि मोर व सर्प में शत्रुता है अर्थात सर्प, शनि तथा राहू के संयोग से बनता है। यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार में या अपनी जेब व डायरी में रखा हो तो राहू का दोष कभी भी नहीं परेशान करता है। तथा घर में सर्प, मच्छर, बिच्छू आदि विषेलें जंतुओं का भय नहीं रहता है। नवजात बालक के सिर की तरफ दिन-रात एक मोर का पंख चांदी के ताबीज में डाल कर रखने से बालक डरता नहीं है तथा कोई भी नजर दोष और अला-बला से बचा रहता है।

यदि शत्रु अधिक तंग कर रहें हो तो मोर के पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिन्दूर से मंगलवार या शनिवार रात्री में उसका नाम लिख कर अपने घर के मंदिर में रात भर रखें प्रात:काल उठकर बिना नहाये धोए चलते पानी में बहा देने से शत्रु, शत्रुता छोड कर मित्रता का व्यवहार करने लगता है।

क्यों करें, अंतिम समय में दीप दान

मृत्यु जीवन का अंतिम कटु सत्य है। मृत्यु के लिए दो कार्य आवश्यक हैं। प्रथम, मनुष्य जब पांच तत्वों अर्थात जल, वायु, आकाश, पृथ्वी व अग्नि का कर्ज चुका दे तब मृत्यु को प्राप्त होगा। दूसरा, वह स्थान, वह विधि जब स्थूल शरीर को मिल जाए, जहां मृत्यु होनी है तब मृत्यु होगी। जहां अंतिम सांस ली वह उसका मृत्यु का स्थान था। जब हम मृत पड गए शरीर को अग्नि को समर्पित करते हैं तो वह पांचों तत्वों का कर्ज चुकाता है। इसलिए ही शव को जलाने का चलन है। चिता की अग्नि में देह भस्तसात् हो जाती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। शास्त्र कहते हैं कि अंश अपनी अंशी के पास पहुंचकर ही विश्रम लेता है। इसी प्रकार चैतन्य प्राण वायु के रूप में प्रवाहित अग्नितत्व अपने उद्गम स्थल सूर्चपिंड में पहुंचकर ही विश्रम लेता है। दीपक मृतक आत्मा के पथ को प्रकाशित कर, उसे गंतव्य पर पहुंचने में सहयोग करता है। ज्योतिष की दृष्टि से कितने घंटे का एक प्रहर होता है। तीन घंटे अर्थात साढे सात घटी का एक प्रहर होता है।चौबीस घंटे में कितने प्रहर होते हैं। आठ पहर होते हैं। आठों पहरों के नाम, दिन में- पूर्वार्ध, मध्याह्, अपराह्, सायं, रात्रि में-प्रदोष, निशीथ, त्रियामा, उषा। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है।

पूजा में तांबे के बर्तन का उपयोग क्यूं किया जाता है

आप जब भी मंदिर जाते होगें तो वहां पर मौजूद लोगों के हाथों में कभी चांदी, तांबा या स्टील के बर्तन जरुर देखते होगें। हिन्दू धर्म में सोना, चांदी और तांबे के बर्तन काफी पवित्र माने गए हैं। हिन्दू धर्म में ऐसा माना गया है कि ये धातुएं कभी अपवित्र नहीं होती है। पूजा में इन्ही धातुओं के यंत्र भी उपयोग में लाए जाते हैं क्योंकि इन से यंत्र को सिद्धि प्राप्त होती है। वहीं दूसरी जगह अगर देखा जाए तो लोहा, स्टील और एल्यूमीनियम के धातु अपवित्र माने जाते हैं। अगर आप स्टील की प्लेट का इस्तमाल पूजा के लिये करते हैं, तो इनका प्रयोग तुरंत ही बंद कर दें क्योंकि यह धातु पूरी तरह से अपवित्र माने जाते हैं और धार्मिक क्रियाकलापों में इन धातुओं के बर्तनों के उपयोग की मनाही की गई है।

इन धातुओं की मूर्तियां भी नहीं बनाई जाती। लोहे में हवा पानी से जंग लगता है। एल्यूमीनियम से भी कालिख निकलती है। इसलिए इन्हें अपवित्र कहा गया है। जंग आदि शरीर में जाने पर घातक बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए लोहा, एल्युमीनियम और स्टील को पूजा में निषेध माना गया है। पूजा में सोने, चांदी, पीतल, तांबे के बर्तनों का उपयोग करना चाहिए। हिंदू धर्म में नारियल का महत्व अगर आपके लिये सोने और चांदी के बर्तन महंगे हैं, तो आप तांबा का प्रयोग कर सकते हैं। यह उनके तुलना में सस्ता है और मंगल कार्य हेतु बहुत ही अच्छा धातु है। माना जाता है कि तांबे के बर्तन का पानी पीने से खून साफहोता है। इसलिए जब पूजा में आचमन किया जाता है तो अचमनी तांबे की ही रखी जानी चाहिए क्योंकि पूजा के पहले पवित्र क्रिया के अंतर्गत हम जब तीन बार आचमन करते हैं तो उस जल से कई तरह के रोग दूर होते हैं और रक्त प्रवाह बढता है। इससे पूजा में मन लगता है और एकाग्रता बढती है।

नटराज: कहानी नृत्य करते शिव की

नटराज एक बहुत ही प्रसिद्ध नाचते हुए देवता की मूर्ती है। जिन्हें नृत्य का शौक होता है वे अपने सामने नटराज जी की मूर्ती रखते हैं और उन्हें प्रणाम कर के ही अपना नृत्य शुरु करते हैं। यह नटराज भगवान दरअसल शिव जी का स्वरूप हैं। नटराज शिवजी का एक नाम है उस रूप में जिस में वह सबसे उत्तम नर्तक हैं। नटराज दो शब्दों से मिल कर बना है- नट अथार्त कला और राज का अर्थ है राजा। शिव का तांडव नृत्य प्रसिद्ध है। भगवान शिव को आमतौर पर विनश के साथ जोडा जाता है और हमेशा उन्हें गुस्से में ही दिखाया गया है। लेकिन बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि शिव जी को संगीत और नृत्य से कितना ज्यादा प्यार था। नटराज अवतार एक संदेश था कि अज्ञानता को केवल ज्ञान, संगीत और नृत्य ही दूर कर सकता है। शिव के तांडव के दो स्वरूप हैं। पहला उनके क्रोध को दिखाता है और दूसरा आनंदरप्रदान करने वाला तांडव। प्राचीन आचार्यों के मतानुसार शिव के आनन्द तांडव से ही सृष्टी अस्तित्व में आती है तथा उनके रौद्र तांडव में सृष्टी का विलय हो जाता है। शिव कानटराज स्वरूप भी उनके अन्य स्वरूपों की ही भातिं मनमोहक तथा उसकी अनेक व्याख्यायँ हैं। आइये दर्शन करते हैं भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिरों के नटराज शिव की प्रसिद्ध प्राचीन मुर्ति के चार भुजाएं हैं, उनके चारो ओरअग्नि के घेरें हैं। उन्होंने अपने एक पांव से एक बौने को दबा रखा है तथा दूसरे पांव से नृत्य मुद्रा में उपर की ओर उठा है। उन्होने अपने पहले दाहिने हाथ में डमरू पकडा है। डमरू की आवाज सृजन का प्रतीक है। ऊपर की ओर उठे हुए उनके दूसरे हाथ में आग है जो कि विनाश का प्रतीक है। उनका दुसरा दाहिना हाँथ अभय (या आशिस) मुद्रा में उठा हुआ है जो कि हमें बुराईयों से रक्षा करता है। नटराज का जो पांव उठा हुआ है वह मोक्ष दर्शाता है। इसका अर्थ यह है कि शिव मोक्ष के मार्ग का सुझाव करते हैं। कहा जाता है कि शिव के चरणों में मोक्ष है। जो बौना शिव के पैरों तले दबा हुआ है वह अज्ञान का प्रतीक है। शिव जी अज्ञान का विनाश करते हैं।

क्या कोई वस्तु शुभ या अशुभ होता है या ये अंधविश्वास है

कोई वस्तु शुभ या अशुभ नहीं होती ,शुभ-अशुभ के अंधविश्वास से निकलकर हमें हर वस्तु की उपयोगिता परखनी चाहिए बचपन से हम सुनते आए हैं कि घर में अमुक वस्तुएं रखना शुभ होता है और अमुक रखना अशुभ होता है। किसी चीज से घर के सदस्यों के बीच में प्यार बढने का दावा किया जाता है तो किसी चीज से तकरार बढने का। किसी से घर में सुख-समृद्धि का आगमन बताया जाता है तो किसी से अभाव का। लेकिन सही बात यह है कि ये बातें सिर्फ अंधविश्वास हैं, क्योंकि इन बातों में तार्किकता का अभाव है। वास्तव में कोई भी चीज शुभ या अशुभ नहीं होती। किसी भी वस्तु को शुभ या अशुभ बनाता है उसका उपयोग। सीधी-सी बात है कि यदि किसी वस्तु के इस्तेमाल का परिणाम अच्छा है, तो वह वस्तु शुभ और परिणाम अच्छा नहीं है तो अशुभ होगी। चाकू को ही लीजिए। घर में रोजमर्रा के कामों में उसकी उपयोगिता व महत्व को नकारा नहीं जा सकता। एक सर्जन सर्जिकल नाइफ से ही ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाता है। अत: एक डॉक्टर के हाथ का चाकू उपयोगी व अनिवार्य होने के कारण वह चाकू शुभ ही माना जाएगा, लेकिन यदि किसी चाकू का इस्तेमाल किसी व्यक्ति की हत्या करने जैसे कार्य के लिए किया जाता है, तो वह चाकू का दुरुपयोग है। अत: वह चाकू अशुभ माना जाना चाहिए। किसी चीज का सदुपयोग अथवा दुरुपयोग ही उसे शुभ या अशुभ बनाता है।

शुभ या अशुभ का आधार इस्तेमाल की जाने वाली चीज की उपयागिता भी हो सकता है। जिस वस्तु का कोई उपयोग ही न हो वह कैसी शुभ या अशुभ हां, कुछ कलाकृतियां हो सकती हैं, जिनका वैसे तो कोई उपयोग नहीं होता, लेकिन कला की दृष्टि से वे मूल्यवान हो सकती हैं। लेकिन कोई भी कलाकृति सुंदर या आकर्षक अथवा बहुमूल्य या अल्पमूल्य हो सकती है, शुभ या अशुभ नहीं। एक व्यक्ति बाजार में घूम-घूम कर एक मूर्ति बेच रहा था और कह रहा था कि यह मूर्ति स्वयं जमीन से प्रकट हुई है और बहुत शुभ है। जो भी इसे अपने घर में स्थापित करेगा, उसके घर में हर प्रकार की समृद्धि में वृद्धि होगी। एक व्यक्ति ने उस मूर्ति के दाम पूछे। बेचने वाले ने कहा, 'दस हजार रुपये।' पूछने वाले ने कहा, 'ऐसी मूर्तियां तो एक हजार रुपये में मिल जाती हैं, दस गुने दाम मैं क्यों दूं जहां तक समृद्धि की बात है तो आप स्वयं क्यों नहीं इसे अपने घर में स्थापित कर लेते यहां सडकों पर क्यों मारे-मारे फिर रहे हैं और लोगों को ठग रहे हैं। हमें शुभ-अशुभ के चक्रमें मूर्ख नहीं बनना चाहिए। अपनी व्यावहारिक बुद्धि का इस्तेमाल करके चीजों की उपयोगिता पर भी विचार अवश्य कर लेना चाहिए।

मां कात्यायनी के ध्यान मात्र से मिलता है अर्थ व मोक्ष का वरदान

नवरात्रि के छठें दिन मां कात्यायनी देवी को पूजा की जाती है। इनकी कृपा से सारे कार्य पूरे हो जाते हैं। वे बैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट हुईं थीं। भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी।

अत: ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यान ने भगवती पराम्बा की कठिन उपासना की थी। ऋर्षि की इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए देवी कात्यायनी कहलाईं। मां के दायीं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में हैं तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है। मां के बाईं तरफऊपर वाले हाथ में तलवार है और नीचे वाले हाथ में कमल है। मां का वाहन सिंह है।

फल की प्राप्ति इनकी उपासना से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लोगों का रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाता है। इस देवी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है।

बिना गुरु अवतार भी नहीं हुए पार

भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि ब्रहमा और शंकर जैसा व्यक्ति भी गुरु के बिना संसार से पार नहीं उतर सकता है। गुरु की महत्ता को ही समर्पित दिन है गुरु पूर्णिमा। अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को आलोकित करने का अवसर। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा, 31 जुलाई के दिन है। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है, 'गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई/ जो बिरंचि संकर सम होई।' भले ही कोई व्यक्ति ब्रहमा और शंकर के समान क्यों न हो वह गुरु बिना भवसागर से पार नहीं उतर सकता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में अहम पद प्रदान किया गया है और उन्हीं गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर लाती है गुरु पूर्णिमा। आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। यह दिन गुरुओं की महत्ता रेखांकित करता है। पूरे भारत में इस दिन लोग अपने-अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को धन्य करते हैं, नई राह पाते हैं। कई श्रद्धालु इस दिन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करते हैं। ब्रज में इस दिन को 'मुडिया पूनो' कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा का यह दिन महाभारत को रचने वाले कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्म दिवस भी है। उन्होंने चारों वेद रचे। वेदों की रचना करने के कारण वे वेद व्यास कहलाए। वे वेदों की रचना कर आदि गुरु कहलाए और उनके प्रति आदर के कारण ही गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस तरह गुरु पूर्णिमा का दिन जीवन को प्रकाश से आलोकित करने वाले गुरु के प्रति आभार की अभिव्यक्ति का दिन है। भारत भूमि पर जितने भी अवतार अवतरित हुए उनके गुरु भी हुए हैं। श्रीराम के गुरु वशिष्ठ थे तो श्रीकृष्ण के सांदीपनी। तात्पर्य यही है गुरु होना जरूरी है। गुरु के बिना जीवन का उद्धार नहीं है। गुरु बनाने का एक दार्शनिक तात्पर्य हमारे यहां यह भी बताया गया है कि हमें हर किसी से सीखने का प्रयास करना चाहिए। यदि हमारे भीतर गुरु बनाने या सीखने का भाव नहीं है तो हमारी उन्नति अवरुद्ध हो सकती है। दत्तात्रेय ने चौबीस गुरु बनाए थे और उन्हें गुरुओं के गुरु भी कहा जाता है। वे जहां-जहां गए वहां जो भी मिला उससे सीखते गए और इस तरह वे गुरुओं के भी गुरु कहलाए। गुरु पूर्णिमा बताती है कि हम जीवन में बडों और छोटों से भी सीखने का प्रयास करें। गुरु महिमा का बखान हनुमान चालीसा में भी प्राप्त होता है जहां कवि तुलसीदास जी ने लिखा है 'कृपा करौ गुरुदेव की नाईं।' अर्थ यह है कि हे नाथ, मुझ गुरु समान कृपा कीजिए। हनुमानजी से यह प्रार्थना है कि वे गुरु भाव से हमें शरण में लें और हमारी चेतना को प्रखर बनाएं।

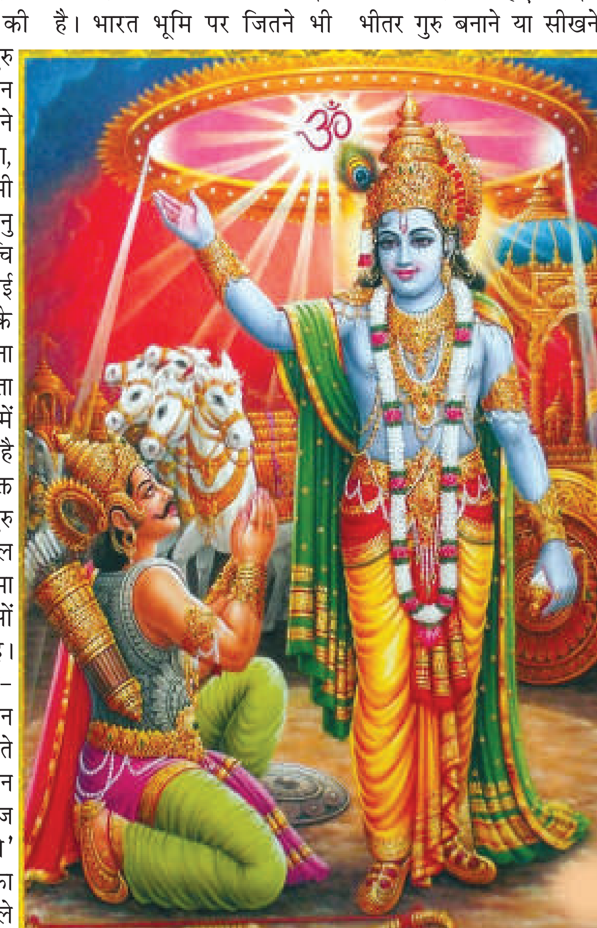

दुविधा में गुरु का सहारा गुरु को भारतीय संस्कृति में ऐसे आश्रय के तौर पर देखा गया है जो विपरीत या कठिन परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन करता है। कुरुक्षेत्र में जब अर्जुन किंकर्तव्यविमूढ हो गया तो श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में उसका मार्गदर्शन किया। उसे जीवन के सार से अवगत कराया। अर्जुन गुरु द्रोण से शस्त्र विद्या में पारंगत हुआ था लेकिन जब जीवन समर में अपनों से युद्ध की दुविधा सामने आई तो अर्जुन ठिठक गया और तब गुरु रूपी श्रीकृष्ण ने उसकी शंकाओं का समाधान किया। हमें भी जीवन में जब कभी शंकाएं घेरती हैं तो हमें गुरु ही मार्ग दिखाते हैं इसलिए गुरु की महत्ता है। हमारी समस्याओं का समाधान गुरु के पास होता है। क्या करें गुरु पूर्णिमा पर जिन्हें आपने अपना गुरु माना है उनके दर्शन करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। हिन्दू शास्त्रों में आदि शंकराचार्य को जगतगुरु माना गया है तो उनकी पूजा इस दिन की जाना चाहिए।

हर महिला खूबसूरत दिखने के लिए हजारों उपाय करती है, लेकिन कई बार कुछ महिलाओं की नाक का शेप सही नहीं होता जैसा कि वे चाहती हैं तो वे इसको सही शेप देने और तीखी दिखाने के लिए सर्जरी तक का सहारा ले लेती हैं पर रिजल्ट उतना अच्छा नहीं मिलता। महिलाएं अपनी नाक को सही लुक देने के लिए मेकअप या फिर एक्सरसाइज का प्रयोग भी कर सकती हैं। इनके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होते हैं।

नाक को कैसे दें परफैक्ट शेप...?

नारी सौंदर्य का सबसे बड़ा पैमाना चेहरा ही है। सुंदर आंखें, गुलाबी होंठ, मोतियों कि तरह चमचमाते दांत और सबसे ऊपर बालों का शानदार अंदाज, नारी सौंदर्य का प्रमुख आकर्षण होते हैं। लेकिन चेहरे का एक और हिस्सा है, जो चेहरे कि खूबसूरती में बेहद मायने रखता है, वह है नाक। जी हाँ, नाक चेहरे का वह हिस्सा है, जिस पर लोगों का ध्यान सबसे पहले जाता है, और अगर किसी की नाक कि संरचना सही न हो, फिर तो आंखे, होंठ, और गाल कितने भी सुंदर हो, बात बिगड़ ही जाती है। आज भी परिवारों में महिलाएं नई बहु देखने के लिए जाती हैं तो, सबसे पहले उनका ध्यान नाक पर ही जाता है। नाक सीधी है, छोटी है, नुकीली है, या ज्यादा पसरी है, ये सारी बातें काफी मायने रखती हैं। कई बार तो सिर्फ लड़की कि नाक कि वजह से रिश्ता बनते-बनते रह जाता है। हमें लगता है, कि नाक कि संरचना कुदरत कि देन है, इसे अब सुधारा नहीं जा सकता है। इस भ्रम से निकलने कि जरूरत है। सही है कि नाक कुदरत कि देन है, लेकिन फिर भी कई ऐसे व्यायाम हैं, जिन्हें नित्य करने से नाक को मनचाहा आकार दिया जा सकता है। इसलिए अब कुदरत को कोसना छोड़िए क्योंकि नाक अब भी तीखी और नुकीली हो सकती है। इसके लिए घर पर ही कुछ व्यायाम आजमाना होंगे, जिन्हें करना तनिक भी मुश्किल नहीं होगा।

मेकअप का सहारा

आपका हेयरकट आपकी नाक की शेप को बदल सकता है। दरअसल आपका हेयरकट आपकी नाक की कमी को छुपा सकता है। यह तरीका आसान भी और किफायती भी। बस हेयरकट कराने से पहले एक बार एक्सपर्ट से सलाह लें। अगर आपको अपनी नाक को लंबा दिखाना है तो नाक के नीचे तथा जहां नाक खत्म होती है उसके निचले हिस्से की स्किन को हाइलाइट करें। इसी तरह नाक की चौड़ाई को ज्यादा दिखाने के लिए नाक के दोनों ओर हाइलाइटर का उपयोग करें और इसे अच्छी तरह बाकी के फाउंडेशन से मिला लें। नाक के मध्य भाग तक एक पतली और लंबी नीचे तक जाती हुई लाइन बनाने के लिए एक पतले ब्रश का उपयोग करें। इस लाइन को बहुत मोटा न बनाएं अन्यथा नाक बहुत चौड़ी दिखेगी। फैन व एंगल्ड ब्रश नाक को हाईलाइट करने के लिए यूज करते हैं

चौड़ी नाक

चौड़ी नाक को पतला दिखाने के लिए गाढ़े फाउण्डेशन को नाक पर लगाएं। नाक के नथुनों के ऊपर नाक की हड्डी की दिशा मे मिला लें। बाकी चेहरे पर लगाए जाने वाले पाउडर से एक शेड गहरा पाउडर नाक पर लगाएं। एक छोटे, फ्लफी ब्रश से थोडा ब्रोंजर अपनी नाक के किनारों पर लगाएं। नाक के किनारों से नीचे और बाहर की और इसे मिलाएं। इससे नाक पतली दिखेगी।

सुंदर नोजपिन

नाक छिदवाने और नोजपिन डालने के बढ़ते प्रचलन के चलते आजकल बाजार में कई तरह की सुंदर नोजपिन और छोटी बाली मिलने लगी है। ये सस्ती मंहगी हर रेंज में मिलती हैं। आजकल नाक में राइट या लेफ्ट या नाक के बीच में पीयरिंग का फैशन चल रहा है आप भी नाक की खूबसूरती बढ़ाने के लिए ट्राय कर सकती हैं। नाक खास अंगों में शामिल है तो इसकी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आपको इसे संवारना चाहिए।

फैली हुई नाक

फैली हुई नाक को सुडौल बनाने के लिए नाक के किनारों पर चटख रंग का ब्लशर या फाउंडेशन लगाएं। नाक के दोनों ओर कॉर्नर पर डार्क फाउंडेशन व सेंट्रल एरिया पर लाइट फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। फिर हाइलाइटर को नाक की हड्डी की लंबाई तक लगाएं और एक शेड गहरे कंसीलर से उसे मिलाएं। नाक के दोनों साइड पर हल्के रंग के कंसीलर लगाएं। अच्छी तरह ब्लेंड करें। ब्लेंडिंग ब्रश का सही चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके प्रयोग के बिना त्वचा काफी बुरी तरह असमान प्रतीत होगी। ब्लेंडिंग ब्रश की सहायता से आप फाउंडेशन को अच्छे से चेहरे के साथ मिला सकती हैं, जिससे कि उस पर लुक प्राकृतिक लगे। आप ब्लेंडिंग के कार्य को पूरा करने के लिए ब्रश या उंगलियों की सहायता भी ले सकती हैं। मैट ब्रोन्जर का इस्तेमाल करें। ब्रोन्जर का इस्तेमाल चेहरे को कॉन्टूर करने के लिए किया जाता है, न कि उसे हाईलाइट करने के लिए। इसलिए आपका ब्रोन्ज मैट होना चाहिए।

नाक की मालिश

नाक को खूबसूरत आकार में लाने के लिए मालिश बेहद आवश्यक है। रोजाना कम से कम पांच मिनट तक किसी अच्छे प्राकृतिक तेल से मालिश करें। इसके लिए आप सरसों का तेल, बादाम का तेल, नारियल तेल, या कोई अन्य अपनी मनपसंद का सुगन्धित तेल आजमा सकती हैं। अपनी अंगुलियों कि मदद से नाक पर मालिश ऊपर से लेकर नीचे और दाएं से लेकर बाएं तक करें। मालिश करने के ब ाद सादे पानी से धोकर तौलिये से अच्छी तरह पोछ लें। एक माह तक नाक की मालिश से आपको अपने नाक में फर्क दिखने लगेगा। नाक की मालिश, माइग्रेन या सिरदर्द में भी बेहद प्रभवकारी होती है।

सांसों का व्यायाम

अगर नाक ज्यादा सतह पर पसरी हुई है और आप उसे नुकीला बनाना चाहती हैं तो सांसों का व्यायाम जरूर आजमाएं, निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। सांसों का व्यायाम एक बेहद सरल प्रक्रिया है। इसे आजमाने के लिए एक नाक को बंद कर लें और फिर दूसरी नाक से लंबी-लंबी गहरी सांसे लें। फिर अगली बार यही प्रक्रिया नाक बदल कर दोहराएं। एक दिन में कम से कम 10 बार इस व्यायाम को करें। बहुत जल्द ही नाक नुकीली होना प्रारंभ हो जाएगी साथ ही इस व्यायाम से शरीर में, विशेषकर ह्रदय संबंधी समस्याओं में काफी राहत मिलेगी। सांस को आवश्यकता से अधिक गहरा लेने कि कोशिश न करें।

नाक पर दबाव

जैसा कि हम सभी जानते हैं, बढ़ती उम्र के साथ कई चीजे परिवर्तित होती हैं, शरीर में हड्डियां और मांसपेशियों में भी कई बदलाव आते हैं। कई हड्डी और मांसपेशियां उम्र के साथ मजबूत होती चली जाती हैं। उम्र के साथ कई शारीरिक संरचनाएं भी परिवर्तित होती चली जाती हैं। अक्सर हम देखते हैं की महिलाएं अपने बच्चो को तेल से मालिश के दौरान उसकी नाक को नीचे से ऊपर की तरफ खिंचती रहती हैं, जिससे शिशु की नाक सही संरचना में ढ़ल सके, और वास्तव में इसके काफी बेहतर परिणाम भी निकलते हैं।

एक तरीका यह भी

नाक की संरचना को बेहतर और आकर्षक बनाने के लिए दिन में 15-20 बार यूं ही दो अंगुलियों से नाक की जड़ों से हलके दबाव के साथ ऊपर की तरफ लाएं। धीरे-धीरे नाक सही शक्ल लेने लगेगी। अक्सर कुछ लोगों की ऐसी आदते भी होती है, जो अपने मुंह पर हाथ फेरते समय नाक कि जड़ों से अंगुलियों को ऊपर कि तरफ लाते हैं, सामान्यत: ऐसे लोगों कि नाक काफी अच्छी होती है।

इंडियन स्किन पर सूट करते रंग...

फैशन की बात करें तो इनके रंग समय के हिसाब से बदलते रहते है और उन्हीं के अनुसार महिलाएं अपने आउटफिट्स के साथ हेयरस्टाइल, फुटवियर, एक्सेसरीज, शेड्स को बदलकर स्टाइलिश रंग में रंगने की कोशिश भी करती हैं। इसमें सबसे ज्यादा रंग भरने का काम करता है बॉलीवुड का स्टाइल, जिसे देख महिलाएं, लड़कियां और लड़के उस फैशन को फुल ऑन फॉलो करते हैं। आज के समय के नए ट्रैंड की बात करें तो आजकल के फैशन में रंगों का चयन काफी अलग जलवा दिख रहा है। इसमें लोग पार्टी, फंक्शन या फिर किसी स्पेशल मौके के हिसाब से अपने कपड़ों के रंग को चयनित करते हैं, इनमें सबसे खास रंग में गोल्डन शिमरी,रानी शेड, पैस्टल कलर आदि ये खूब ट्रैंड में चल रहे हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे रंगों के बारे में बता रहें हैं जो फैशन में काफी प्रचलित हो रहें हैं और इंडियन स्किन पर सूट करते हैं।

ब्रिक कलर

रेड और ब्राउन के मेल से बना ब्रिक कलर शेड आज के फैशन ट्रैंड में खूब पॉपुलर हो रहा है। इस रंग के गाउन हो या ठंड के दिनों के वुलेन के क्लॉथ, यह रंग हर किसी महिला के रंग पर सुंदर निखार प्रदान करता है।

रानी पिंक

रानी पिंक रंग हर भारतीय महिलाओं और लड़कियों की पहली पसंद होता है क्योंकि यह हर जगह अलग खिलकर नजर आता है और स्टाइलिश लुक भी प्रदान करता है। इस रंग के लेगिंग से लेकर सूट तक काफी अच्छे लगते हैं।

इलैक्टरिक ब्लू

इलैक्टरिक ब्लू यानी नीले रंग की आउटफिट्स आज के समय के फैशन ट्रेंड में हैं। इस रंग के कपड़ों में आप भी किसी एक्ट्रेस की तरह दिख सकती है, क्योंकि सभी प्रकार की पार्टी के समय यह रंग अलग ही खिलकर नजर आता है।

ऑलिव ग्रीन

ऑलिव ग्रीन कलर यानी डार्क ग्रीन रंग इन दिनों मार्केट में अपना अलग रंग दिखा रहा है। इस रंग के फैशन को सभी महिलाएं और लड़कियां कॉपी कर पहनना पसंद कर रहीं हैं। यह इंडियन लड़कियों की खूबसूरती पर चार चांद लगाने वाला कलर है।

गोल्डन कलर

आजकल शिमरी गोल्डन रंग के आउटफिट्स फैशन में खूब ट्रैंड में है। किसी भी बड़े फंक्शन या पार्टी में इस कलर की ड्रैस को पहनने वाली महिलाओं और लड़कियों को आज ज्यादा देखा जाता है, क्योंकि इस कलर की खूबसूरती हर महिला को स्टाइलिश लुक देती है।

ऐसे चढ़ेगा मेहंदी का रंग...

भारत में मेहंदी का इस्तेमाल तो सदियों से किया जा रहा है। कोई भी त्योहार हो मेहंदी लगाना नहीं भूलतीं। इसके अलावा शादी में भी दुल्हन को मेहंदी लगाई जाती है, क्योंकि शादी में दुल्हन को मेहंदी लगाना एक शगुन माना जाता है। कभी-कभार ऐसा होता है कि दुल्हन के हाथों पर चढ़ी मेहंदी का रंग डार्क नहीं चढ़ता, जिस वजह से हाथों पर लगी मेहंदी अच्छी नहीं लगती। इसलिए आज हम आपको ऐसे टिप्स बताएंगे जिन्हें अपनाकर आप अपने मेहंदी के रंग को और भी ज्यादा गहरा कर सकती हैं। मेहंदी का रंग गहरा करने के लिए आप नींबू और चीनी का इस्तेमाल कर सकती हैं। एक कटोरी में नींबू और चीनी का घोल बना लें और मेहंदी लगाने के बाद इस घोल को रूई की मदद से मेहंदी के ऊपर लगाएं। चीनी और नींबू का घोल लगाने के बाद एक पैन में कुछ लौंग रखें। फिर ध्यान से अपनी मेहंदी वाले हाथ पैन की तरफ कर दें। धुआं मेहंदी पर लगने दें। ध्यान रखें कि हाथ जले न। ऐसा करने से चीनी-नींबू घोल भी सूख जाएगा। कोशिश करें कि मेहंदी हाथों पर 12 घंटे तक लगी रहे। अगर हाथों पर मेहंदी ज्यादा देर लगी रहेगी तो ऐसे में मेहंदी का रंग और भी गहरा उतर कर आता है। ज्यादातर लोग मेहंदी को हटाने के लिए पानी व साबुन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा करने से मेहंदी का रंग गहरा नहीं हो पाता और वो बहुत जल्दी निकल जाती है। इसलिए बेहतर होगा कि मेहंदी को खुद ही निकलने दें या फिर हाथों से रगड़ कर छुड़ाए।

अस्थाई प्यार...

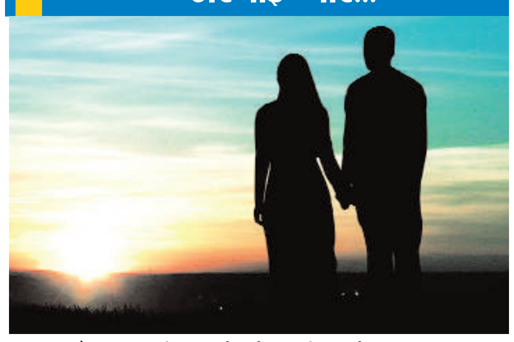

आमतौर पर पहली नजर में हमें किसी का चेहरा पसंद आ जाता है, किसी की आंखे पसंद आ जाती है, किसी का बात करने का स्टाइल पसंद आ जाता है, या किसी का व्यवहार। इसे पहली नजर का प्यार या आकर्षण कहते हैं। आकर्षण इंसान की खूबसूरती, उसके लुक्स, उसकी अदा से होता है और ज्यादातर यह एक तरफा होता है। कभी कभी दोनों ओर से भी आकर्षण होता है। कभी कभी सिर्फ क्रश बनकर रह जाता है तो कभी कभी आपसी समझ से एक रिश्ते का भी रूप ले लेता है। लेकिन आकर्षण ज्यादातर एक अस्थायी प्यार होता है जो एक साथ कई लोगों से हो सकता है। यह जरुरी नहीं कि हमें जिसके प्रति आकर्षण हो रहा है उसे भी हमारे अंदर कोई बात पसंद आ जाये या हमसे प्यार हो जाये। अगर थोड़ी बातचीत शुरू हो गयी तो हम बिना सामने वाले की इच्छा जाने उस पर अपना हक जताने लगते हैं, अधिकार जताने लगते हैं। हम सामने वाले की सोच और इच्छा जाने बिना और उसे अच्छी तरह से समझे बिना ही उससे बहुत सी ख्वाहिशें, उम्मीदें पाल लेते हैं लेकिन जब सामने वाला उन ख्वाहिशों को पूरा नहीं कर पाता है या हमारी लगाई हुई उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता है तो यह आकर्षण बहुत जल्दी खत्म भी हो जाता है।

जब प्यार की रफ्तार बहुत तेजी से बढ़ रही है तो समझ जाना चाहिए कि यह प्यार नहीं आकर्षण है। आकर्षण वाला प्यार बहुत जल्दी शुरू होता है और बहुत जल्दी बहुत कुछ पाने की ख्वाहिश में खत्म भी हो जाता है। आकर्षण किसी एक से नहीं होता है। यह एक साथ कई लोगों से हो सकता है। इसमें इंसान किसी एक आदमी के साथ बंधकर नहीं रहना चाहता। इसमें प्रतिबद्धता की कमी होती है। इसके उलट सच्चा प्यार कभी भी किसी को देखते ही नहीं होता। सच्चा प्यार तो एक दूसरे को जानने और समझने के बाद होता है। सच्चे प्यार में कोई जल्दबाजी नहीं होती है। इसमें एक ठहराव होता है। इसमें तो दोनों को एक दूसरे पर भरोसा होता है, एक दूसरे की कद्र होती है। सच्चा प्यार सिर्फ एक से ही होता है। सच्चा प्यार हमेशा के लिए होता है। यह कभी खत्म नहीं होता है क्योंकि ये एक दूसरे को जानने और समझने के बाद होता है।

टैटू बनवाने के बाद यूं रखें स्किन का ध्यान

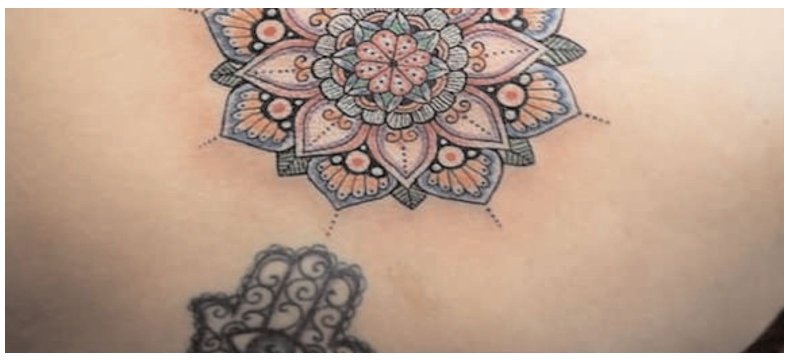

यूवा पीढ़ी में आजकल टैटू बनवाने का ट्रैंड काफी देखा जाता है। लड़कियां हो या लड़के अपने शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर टैटू बनवाना पसंद करते हैं लेकिन इसके बाद अगर स्किन का सही तरीके से ध्यान न रखा जाए तो इससे बड़ी समस्या हो सकती है। आइए जानिए टैटू बनवाने के बाद किस तरह त्वचा को सुरक्षित रखा जाए ताकि कोई स्किन प्रॉब्लम न हो।

सही लोशन

टैटू बनवाने के तुरंत बाद स्किन पर दाने और धब्बे हो जाते हैं। इसके लिए कोई भी क्रीम या तेल लगाने की गलती न करें क्योंकि इससे इंफैक्शन हो सकती है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह से स्किन के हिसाब से सही लोशन लगाएं।

साबुन

इसके बाद त्वचा पर कम से कम 2-3 दिनों तक साबुन का इस्तेमाल न करें क्योंकि इसमें मौजूद कैमिकल्स स्किन को खराब कर सकते हैं। अगर ज्यादा जरूरी हो तो बेबी सॉप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नहाने के बाद

टैटू बनवाने के बाद जब भी नहाएं तो उस जगह को अच्छी तरह पौंछ लें क्योंकि गीला रहने की वजह से वह जगह फूल जाती है और एलर्जी हो सकती है। अगर टैटू को पौंछने पर दर्द महसूस हो रही हो तो कपड़े से हल्का पौंछ सकते हैं लेकिन ध्यान दें कि टैटू वाली जगह को जोर से न रगड़ें नहीं तो स्किन रैशेज हो सकते हैं।

धूप से बचाव

धूप में जब भी निकलें टैटू वाली जगह को अच्छे से ढकें क्योंकि धूप की किरणें पड़ने पर स्किन एलर्जी हो सकती है।

खुजली होने पर

टैटू बनवाने के 1-2 दिनों तक उस जगह पर खुजली होना स्वभाविक है। ऐसे में उस जगह पर खुजली न करें और हल्के हाथों से बेबी ऑयल लगाएं।

स्लिप डिस्क की समस्या से हैं परेशान, अपनाएं ये नुस्खे

गलत तरीके से सोने, उठने-बैठने की वजह से रीढ़ की हड्डी से जुड़ी शिकायतें रहती हैं। इसमें प्रमुख समस्या है स्लिप डिस्क की। इस बीमारी में ज्यादातर डॉक्टर बेडरेस्ट की सलाह देते हैं। आज हम आपको स्लिप डिस्क से निजात पाने के लिए कुछ नुस्खे देने जा रहे हैं।

ठंडी और गर्म सिकाई- स्लिप डिस्क होने पर सिकाई करने के लिए कहा जाता है। पहले कुछ दिनों में सूजन कम करने के लिए ठंडी सिकाई की सलाह दी जाती है। इसके बाद आप दर्द वाली जगह गर्म सिकाई कर सकते हैं। दो से तीन घंटे बाद इसे प्रभावित अंग पर लगाएं।

फिजियोथेरेपी और योगा- अगर आप इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो आपको फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाना चाहिए। वे बताएंगे कि दिन में होने वाली क्रियाओं को करने का सही ढंग क्या है। साथ ही आप उनसे कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज की जानकारी भी ले सकते हैं जिससे आपकी कमर को आराम मिलेगा। इसके अलावा आप योगा भी कर सकते हैं।

हल्दी- हल्दी में करक्यूमिन नाम का एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो सूजन और जलन को कम करता है। स्लिप डिस्क को ठीक करने में ये एक कारगर उपाय है।

टहलना- हर तीन घंटे के अंतराल में 10-20 मिनट तक टहलने जाया करें। इस बीमारी में वॉक करना फायदेमंद सिद्ध हो सकता है। ध्यान रहे कि आप जरा भी झुककर ना चलें और अगर आपके पैरों में दर्द है तो इस एक्सरसाइज से दूर रहें।

मसाज-मसाज करने से आपके शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से होता है। रोज मसाज करवाने से आपको स्लिप डिस्क से राहत मिलेगी

मानसून में इन 6 जगहों पर लें घूमने का मजा

बरसात को मौसम घूमने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय तपती धूप की भी चिंता नहीं होती और बच्चों भी ज्यादा एंज्वाय करते हैं लेकिन जब घूमने की बात होती है तो हमेशा इस बात की अलझन रहती है कि आखिर कहां पर अपनी छुट्टियां बिताई जाएं। हम आपको इसको खास मानसून के मौसम में घूमने के लिए खास जगह बता रहे हैं।

1. कोडैकनाल

मानसून में घूमने के लिए तामिलनाडू का कोडैकनाल बहुत अच्छी जगह है। यहां पर इस मौसम में सूरज और बादलों के बीच लुका-छिपी चलती रहती है। यहां पर हरा भरा जंगल और वॉटरफॉल्स बहुत खूबसूरत लगते हैं।

2,केरल

केरल कुदरती नजारों से भरपूर बहुत खूबसूरत जगह है। यहां पर इस मौसम में झरनों का आवाज और चिड़ियों का चहचाहट देख कर हर कोई खुद को प्राकृति के करीब समझता है।

3. गोआ

वैसे तो हर मौसम में यहां पर्यटकों की भीड लगी रहती है लेकिन मानसून में इस जगह की खूबसूरती बढ़ जाती है। यहां पर मानसून में कार्निवॉल का आयोजन भी किया जाता है।

4. मसूरी

उत्तराखंड का मसूरी मानसून टूर के लिए बैस्ट है। इसके हर तरफ हरियाली देखने में बहुत अच्छी लगती है। इसकी खूबसूरती के कारण यहां पर हजारों का संख्या में टूरिस्ट पहुंचते हैं।

5. जयपुर

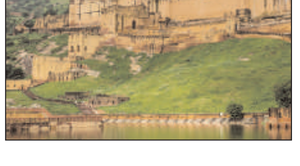

पिंक सिटी यानि जयपुर घूमने का मन है तो इस मानसून यहां जाने की तैयारी कर लें। यहां का मौसम जून-जुलाई में बहुत अच्छो हो जाता है।

6. लोनावाला

लोनावाला पुणे का सबसे बेहतरीन टूरिस्ट डैस्टिनेशन है। यहां पर जून से लेकर सितंबर तक का मौसम बहुत अच्छा होता है। लोग यहां पर आने के लिए इस मौसम का बेसब्री से इंतजार रहता है।

संपादकीय

समझौता कैसे होगा?

भारत के संदर्भ में 25 जून का दिन अलोकतांत्रिक, दमनकारी, तानाशाही आपातकाल का है, लेकिन वैश्विक स्तर पर भी आपात स्थितियां बनी हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है अथवा मध्यस्थों के साथ जारी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज़्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं। इजरायल हवाई बमबारी कर दक्षिण लेबनान में तबाही और विध्वंस को जारी रखे है। लगातार हत्याएं की जा रही हैं, लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं, लेकिन ट्रंप सिर्फ ईरान को धमकाते रहते हैं कि समझौता नहीं हुआ, तो पहले से ज्यादा विध्वंसक हमले झेलने पड़ेंगे। ईरान पहले ही बर्बाद हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के कारण ही समझौते का संवाद 24 घंटे भी जारी नहीं रह सका है। ईरानी दल ने अमरीकी दल से न तो हाथ मिलाया, न ही संयुक्त फोटो खिंचवाई, बल्कि वार्ता-सभागार से वॉकआउट कर गया। ईरान ने मध्यस्थों को साफ कर दिया कि वे अमरीका के साथ इस तरह बातचीत नहीं करेंगे। तो क्या समझौता नहीं होगा? अधिक मौजू सवाल यह है कि जिस तरह ट्रंप ईरान को हडक़ाए रखना चाहते हैं, उसके मद्देनजर अंतिम समझौता कैसे होगा? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों, यूरेनियम के संवर्धन और अमरीकी सामान खरीदने की बाध्यता पर जो बयान दिए हैं, ईरान ने उनका खंडन किया है। ईरान ने अमरीका और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को साफ कह दिया है कि परमाणु स्थलों का निरीक्षण अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव हो सकता है। ईरानी दल ने स्विट्जरलैंड में आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी से मुलाकात करने से भी इंकार कर दिया है। अमरीका और ईरान के दरमियान इतने विरोधाभास हैं कि सवाल स्वाभाविक लगता है कि इस तरह अंतिम समझौता कैसे होगा? समझौता होगा भी अथवा नहीं? 'व्हाइट हाउस' ने एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत ईरानी तेल को पाबंदियों से मुक्त कर दिया है। 1979 के बाद अमरीका ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। बेशक ईरान वार्ता के 60 दिनों तक ही तेल की आजादी महसूस करेगा, फिर भी उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अति महत्वपूर्ण निर्णय है। ईरान हमेशा पाबंदी-मुक्त रहे, यह बिंदु भी सहमति-पत्र में है। यदि समझौता हुआ, तो ईरान को हमेशा के लिए पाबंदी-मुक्त करना ही पड़ेगा। बहरहाल ईरान इस दौरान 40-43 अरब डॉलर का तेल बेच सकेगा। इसी के मद्देनजर भारत ने भी ईरान से 38.85 लाख बैरल तेल खरीदा है। संभव है कि दोनों देशों के बीच नया करार हो जाए! भारत के 11 जहाज, टैंकर होर्मुज को पार कर निकले हैं, जिनमें कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और खाद लदी है। अभी 10 और भारतीय जहाज वहां फंसे हैं। वे भी 60 दिन की इस अवधि में तेल-गैस आदि लेकर लौट सकते हैं। इसी दौरान अमरीका ने ईरान पर यह शर्त थोपी है कि पाबंदियां खुलने के बाद ईरान अमरीका को ही तेल बेचेगा, लेकिन ईरान ने साफ इंकार कर दिया है। ट्रंप की यह भी शर्त है कि ईरान की जब्त संपत्तियों में से जो भी राशि जारी की जाएगी, उससे ईरान अमरीकी सामान ही खरीदेगा। क्या ऐसी शर्तें थोपने के बाद किसी समझौते की उम्मीद की जा सकती है।

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज़्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं।

भारत में एफडीसी के नियमन और गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही

उपलब्धि है या चिंता का विषय फिक्स्ड डोज ड्रग कॉम्बिनेशन

स्वास्थ्य किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पूँजी है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने रोगों के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण आयाम है विभिन्न औषधियों का संयुक्त उपयोग। अनेक रोग ऐसे होते हैं जिनके उपचार के लिए एक से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिक्स्ड डोज ड्रग कॉम्बिनेशन (एफडीसी) विकसित किए गए। एफडीसी ऐसी दवाएँ हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या इंजेक्शन किसी भी रूप में हो सकती है। वर्तमान समय में एफडीसी चिकित्सा जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग, एचआईवी संक्रमण, हृदय रोग, अस्थमा और विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के उपचार में इनका व्यापक उपयोग किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कुछ परिस्थितियों में एफडीसी के उपयोग को उपयोगी मानता है। हालांकि इनके अनेक लाभ हैं, लेकिन इनके अनियंत्रित और अतार्किक प्रयोग ने गंभीर चिंताएँ भी उत्पन्न की हैं। विशेष रूप से भारत में एफडीसी के नियमन और गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। एफडीसी का मूल उद्देश्य उपचार को सरल बनाना है। जब किसी रोगी को दिन में कई बार अलग-अलग दवाएँ लेने की आवश्यकता होती है, तो वह कई बार खुराक भूल जाता है या दवाएँ नियमित रूप से नहीं लेता। इससे उपचार की सफलता प्रभावित होती है। यदि वही दवाएँ एक ही गोली में उपलब्ध हों तो रोगी के लिए उन्हें लेना आसान हो जाता है। यही कारण है कि एफडीसी को रोगी-अनुपालना बढ़ाने वाला एक प्रभावी साधन माना जाता है। एफडीसी का सबसे बड़ा लाभ रोगी की सुविधा है। एक ही गोली में कई दवाएँ होने के कारण दवा लेने की प्रक्रिया सरल हो जाती है। विशेष रूप से वृद्ध रोगियों, बच्चों और लंबे समय तक उपचार लेने वाले व्यक्तियों के लिए यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। जब दवाओं की संख्या कम हो जाती है तो रोगी द्वारा उपचार छोड़ने की संभावना भी कम हो जाती है। यह लाभ क्षय रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों में अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहाँ उपचार का अधूरा रह जाना गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है। एफडीसी का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ उपचार की प्रभावशीलता में वृद्धि है। कई रोगों में अलग-अलग दवाएँ मिलकर बेहतर परिणाम देती हैं। उदाहरण के लिए, क्षय रोग के उपचार में अनेक दवाओं का संयुक्त उपयोग आवश्यक होता है क्योंकि एक ही दवा से उपचार करने पर जीवाणुओं में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसी प्रकार एचआईवी संक्रमण में भी बहु-दवा चिकित्सा मानक उपचार का हिस्सा है। ऐसे मामलों में एफडीसी उपचार को सरल और अधिक प्रभावी बनाती है। एफडीसी का एक और लाभ दवा प्रतिरोध को नियंत्रित करना है। वर्तमान समय में प्रतिजैविक प्रतिरोध एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यदि रोगी आवश्यक दवाओं में से किसी एक को छोड़ देता है तो रोगाणुओं में प्रतिरोध विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है। एफडीसी इस समस्या को कम करने में सहायता करती हैं क्योंकि सभी आवश्यक दवाएँ एक साथ दी जाती हैं। इससे रोगी किसी एक दवा को छोड़ नहीं सकता और उपचार अधिक प्रभावी रहता है। आर्थिक दृष्टि से भी एफडीसी कई बार लाभकारी सिद्ध होती हैं। अलग-अलग दवाओं की तुलना में संयुक्त दवा के उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन और वितरण की लागत कम हो सकती है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ भी घटता है। बड़े सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एफडीसी के उपयोग से दवाओं के प्रबंधन और आपूर्ति व्यवस्था को भी सरल बनाया जा सकता है। एफडीसी स्वास्थ्य प्रशासन के लिए भी उपयोगी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में जब बड़ी संख्या में रोगियों को दवाएँ उपलब्ध करानी होती हैं, तब अलग-अलग दवाओं के स्थान पर एक संयुक्त दवा का वितरण अधिक सुविधाजनक होता है। इससे भंडारण की आवश्यकता कम होती है तथा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में आसानी होती है। इन लाभों के बावजूद एफडीसी से जुड़ी कई गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण समस्या खुराक में लचीलेपन का अभाव है। प्रत्येक रोगी की आवश्यकता अलग होती है। कई बार चिकित्सक किसी एक दवा की मात्रा बढ़ाना या घटाना चाहता है, लेकिन एफडीसी में ऐसा करना संभव नहीं होता क्योंकि सभी घटक निश्चित अनुपात में होते हैं। परिणामस्वरूप रोगी को या तो पूरी दवा बदलनी पड़ती है या ऐसी खुराक लेनी पड़ती है जो उसकी आवश्यकता के अनुरूप नहीं होती। एफडीसी का दूसरा प्रमुख दोष यह है कि इनके कारण दुष्प्रभावों की पहचान कठिन हो जाती है। यदि किसी रोगी को संयुक्त दवा लेने के बाद एलर्जी या अन्य प्रतिकूल प्रभाव होता है तो यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि किस घटक ने समस्या उत्पन्न की है। इससे उपचार की प्रक्रिया जटिल हो सकती है और रोगी की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। एक अन्य महत्वपूर्ण समस्या अनावश्यक औषधि सेवन की है। कई बार रोगी को एफडीसी में सम्मिलित सभी दवाओं की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी उसे पूरा संयोजन लेना पड़ता है। इससे दुष्प्रभावों का जोखिम बढ़ जाता है और रोगी अनावश्यक रूप से अतिरिक्त दवाओं के संपर्क में आ जाता है। चिकित्सा विज्ञान का मूल सिद्धांत है कि रोगी को केवल वही दवा दी जाए जिसकी उसे आवश्यकता हो, लेकिन अतार्किक एफडीसी इस सिद्धांत के विपरीत जा सकती हैं। भारत में एफडीसी से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता अतार्किक संयोजनों की रही है। लंबे समय तक बाजार में ऐसी अनेक दवाएँ उपलब्ध रहीं जिनके संयोजन का कोई स्पष्ट वैज्ञानिक आधार नहीं था। कुछ मामलों में दवाओं के घटक एक-दूसरे के प्रभाव को बढ़ाने के बजाय कम कर देते थे, जबकि कुछ संयोजन रोगियों के लिए अनावश्यक जोखिम उत्पन्न करते थे। इस स्थिति ने दवा नियमन व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया। प्रतिजैविक दवाओं के अतार्किक संयोजन विशेष रूप से चिंता का विषय रहे हैं। इनका अनुचित उपयोग जीवाणुओं में प्रतिरोध को बढ़ावा देता है। जब प्रतिजैविक दवाएँ प्रभावहीन होने लगती हैं तो सामान्य संक्रमणों का उपचार भी कठिन हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रतिजैविक प्रतिरोध को मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक माना है। इसलिए प्रतिजैविक एफडीसी के उपयोग में विशेष सावधानी आवश्यक है। एफडीसी से जुड़ी चुनौतियों में नियामक व्यवस्था की जटिलता भी शामिल है। किसी नई एफडीसी को बाजार में लाने से पहले उसकी सुरक्षा, प्रभावशीलता और गुणवत्ता का पर्याप्त वैज्ञानिक परीक्षण होना चाहिए। यदि परीक्षण और मूल्यांकन की प्रक्रिया कमजोर हो तो असुरक्षित या अप्रभावी दवाएँ बाजार में पहुँच सकती हैं। भारत में समय-समय पर केंद्र सरकार ने अनेक अतार्किक एफडीसी पर प्रतिबंध लगाया है, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। भारत विश्व के सबसे बड़े औषधि उत्पादक देशों में से एक है और यहाँ एफडीसी का उपयोग अत्यंत व्यापक है। भारतीय दवा बाजार में हजारों प्रकार के एफडीसी उपलब्ध हैं। इनमें से कई वैज्ञानिक रूप से उचित हैं और रोगियों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जबकि कुछ संयोजन केवल व्यावसायिक लाभ को ध्यान में रखकर विकसित किए गए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ लंबे समय से तर्कसंगत औषधि नीति की आवश्यकता पर बल देते रहे हैं। तर्कसंगत एफडीसी वही मानी जाती है जिसमें प्रत्येक घटक की स्पष्ट भूमिका हो, सभी घटक एक-दूसरे के पूरक हों, उनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो तथा उनका संयुक्त उपयोग अलग-अलग उपयोग की तुलना में अधिक लाभकारी हो। यदि कोई संयोजन इन मानकों को पूरा नहीं करता तो उसे तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। भविष्य की दृष्टि से भारत को एफडीसी के क्षेत्र में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। एक ओर इन दवाओं के वास्तविक लाभों को स्वीकार करना होगा, वहीं दूसरी ओर उनके दुरुपयोग और अतार्किक प्रयोग को रोकना होगा। इसके लिए दवा स्वीकृति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना आवश्यक है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने रोगों के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण आयाम है विभिन्न औषधियों का संयुक्त उपयोग। अनेक रोग ऐसे होते हैं जिनके उपचार के लिए एक से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिक्स्ड डोज ड्रग कॉम्बिनेशन (एफडीसी) विकसित किए गए। एफडीसी ऐसी दवाएँ हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या इंजेक्शन किसी भी रूप में हो सकती है। वर्तमान समय में एफडीसी चिकित्सा जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग, एचआईवी संक्रमण, हृदय रोग, अस्थमा और विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के उपचार में इनका व्यापक उपयोग किया जाता है।

कुछ अलग

देश में बढ़ती नशाखोरी

हमारा देश भारत एक विशाल देश है। भारत की आबादी लगभग एक सौ तैंतालिस करोड़ है। भारत एक सुंदर और विविधताओं से भरा हुआ देश है। हमारे देश की अनूठी संस्कृति है जिससे भारत की पूरे विश्व में अलग ही पहचान है। आज भारत हर क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बना रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन देश में बढ़ता नशा चिंता का विषय है। यह एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। यह नशा विशेषकर युवाओं और किशोरों में बहुत अधिक बढ़ रहा है। स्कूल और कॉलेजों के छात्रों को नशा करते हुए देखा जा सकता है। नशे का इस प्रकार बढ़ता प्रचलन एक गंभीर सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यह समस्या केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गांव में भी तेजी से फैल रही है। हेरोइन, कोकीन और चिट्टा आदि नशे बहुत अधिक खतरनाक हैं। इस तरह के नशे पारंपरिक नशे से भी कई गुणा भयानक हैं। नशे के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है जिससे एचआईवी हेपेटाइटीज का खतरा बढ़ रहा है। इस प्रकार का नशा हमारे देश की युवा पीढ़ी को दीमक की तरह चट कर रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है जिसकी औसत आयु मात्र 29 वर्ष है। देश की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम आयु वर्ग की है। यह युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। यदि यही युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती जाएगी तो देश के भविष्य का क्या होगा। देश में नशा क्यों बढ़ रहा है, यह गंभीर चिंतन का विषय है। देश और युवा वर्ग तथा किशोरों के भविष्य को देखते हुए इस नशे पर लगाम लगानी ही होगी। दूसरे देशों से होने वाली नशे की तस्करी को सख्ती से रोकना होगा।

देश दुनिया से

गर्मी से झुलसते यूरोप के लिए जागने का वक्त

पूरे यूरोप के नक्शे पर लाल रंग फैल गया है। तापमान के रिकॉर्ड एक के बाद एक टूट रहे हैं। हालांकि, फ्रांस सबसे ज़्यादा प्रभावित है। बुधवार, 24 जून 2026 को वहां के 58 प्रशासनिक इलाक़ों में रेड अलर्ट का सबसे ऊंचा स्तर था, जो पिछले दिन से चार ज़्यादा थे। लेकिन, गर्मी की मार झेलने वाला यह अकेला देश नहीं है। स्पेन, इटली, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे पड़ोसी देशों में भी तापमान बहुत बढ़ गया। मई के आखिर में आई ऐतिहासिक हीटवेव के बाद, एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार हुआ है। लैबोरेटरी ऑफ़ क्लाइमेट एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़ के रिसर्च डायरेक्टर डेविड फ़ारंडा ने कहा, 'यूरोप बाकी दुनिया की तुलना में दोगुनी तेज़ी से गर्म हो रहा है, और हीटवेव के दौरान यह असर और भी ज़्यादा साफ़ दिखता है।' यूरोप भूमध्य सागर के पास है, जो बहुत गर्म है, और ग्रीनलैंड से भी दूर नहीं है, जहां बर्फ़ बहुत तेज़ी से पिघल रही है। हवा की धाराएं रुक जाती हैं, और 'हीट डोम' बनाती हैं। स्पेन के तट के पास ठंडी हवा का एक हिस्सा 'हेयर ड्रायर' की तरह काम कर रहा है, जो झुलसा देने वाली हवा को खींच रहा है। गुज़श्ता साल, जर्मनी के इंडस्ट्री और एनर्जी सेक्टर से उम्मीद से कम कार्बन उत्सर्जन हुआ। हालांकि, यह अच्छी खबर थोड़ी भ्रामक है। जहां रिन्यूएबल एनर्जी में बढ़ोतरी हुई है, वहीं पिछले साल उत्सर्जन में कमी की मुख्य वजह जर्मनी की रुकी हुई अर्थव्यवस्था है। ये नतीजे जर्मनी की 'काउन्सिल ऑफ़ एक्सपर्ट्स ऑन क्लाइमेट चेंज' के हैं। यह कमेटी इस बात पर रिपोर्ट और अनुमान भी तैयार करती है कि क्या जर्मनी की जलवायु नीतियां असरदार साबित हो रही हैं या नहीं। कई देशों में, ख़ासकर यूरोप में, हीट वेव के दौरान पुरुषों की तुलना में ज़्यादा महिलाओं की मौत होती है। कुछ शोधकर्ताओं ने इस अंतर को समझाने की कोशिश की है; इसके पीछे सिर्फ़ यह वजह नहीं है कि महिलाएं ज़्यादा समय तक जीवित रहती हैं, बल्कि शारीरिक और व्यवहार से जुड़े कारण भी हैं। 2003 में फ्रांस में पड़ी भीषण गर्मी (हीटवेव) के दौरान, 55 साल से ज़्यादा उम्र के लोगों में गर्मी से होने वाली मौतों की

संख्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में 15 फीसद ज़्यादा थी। 2006 में फ्रेंच नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च के कई शोधार्थियों ने इस घटना का हवाला दिया था। फ्रांस कोई अपवाद नहीं है। उदाहरण के लिए, नीदरलैंड में कई स्टडीज़ की गई हैं जिनमें हीटवेव से होने वाली मौतों में लिंग के आधार पर काफ़ी अंतर देखा गया है। वर्ष 2021 में इस विषय पर एम्स्टर्डम स्थित 'ब्रिजे उनिवर्सितेत' के रिसर्चर्स ने कई संभावित कारण बताए। इनमें पसीना आने में अंतर, कार्डियोवैस्कुलर तनाव (दिल पर दबाव), शरीर के सतह क्षेत्र और वज़न का अनुपात, और महिलाओं के अकेले रहने या घर में ज़्यादा सक्रिय रहने की संभावना जैसे कारण शामिल हैं। यूरोप, जिसने गुज़श्ता गर्मी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, लाखों लोगों को बिजली के बिना छोड़ दिया है और इस महाद्वीप में एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़ गई है। जिसका उपयोग आम घरों में अमूमन पहले नहीं होता था। विशेषज्ञों का कहना है कि चरम मौसम वायुमंडलीय पैटर्न से प्रेरित हो रहा है, जो गर्म हवा को कई दिनों तक फंसाए रखता है। ऐसे देशों में पंखों और एयर कंडीशनरों की बिक्री आसमान छू गई जहां अधिकांश इमारतें अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई हैं। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को मिलान और रोम सहित 16 शहरों में रेड हीटवेव अलर्ट घोषित किया। आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप पूर्वी यूरोप तक बढ़ने की आशंका है। पोलैंड की मौसम सेवा ने गुरुवार से शनिवार तक देश के पश्चिमी हिस्से के लिए उच्च स्तरीय गर्मी की चेतावनी जारी की, पूर्वानुमान है कि तापमान 1921 में बनाए गए 40.2 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड को तोड़ सकता है। क्रोएशिया के लोकप्रिय एड्रियाटिक तट को भी रेड अलर्ट के तहत रखा गया था। हंगरी, जो पहले से ही दूसरे स्तर की गर्मी की चेतावनी के तहत है, ने कहा कि तापमान में वृद्धि जारी रहने के कारण वह शनिवार से मंगलवार तक इसे अधिकतम स्तर तक बढ़ा रहा है। इस सप्ताह प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, वर्तमान हीटवेव 'मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण काफी बढ़ गई है।' जर्मनी 2045 तक नेट ग्रीनहाउस गैस न्यूट्रैलिटी और 2050 से नेट-नेगेटिव उत्सर्जन हासिल करना चाहता है। 'क्लाइमेट चेंज पर एक्सपर्ट्स की काउंसिल' की चेयरवुमन बारबरा श्लोमन का कहना है कि अब तक उठाए गए कदम इन लक्ष्यों को हासिल करने में साफ तौर पर नाकाम रहे हैं। खासकर ट्रांसपोर्ट और बिल्डिंग सेक्टर अपने जलवायु लक्ष्यों से काफी पीछे हैं। अच्छी बात यह है कि जर्मनी के जंगलों में कुछ सुधार दिख रहा है। वे न केवल महत्वपूर्ण इकोसिस्टम बनाते हैं, बल्कि अहम कार्बन सिंक के तौर पर भी काम करते हैं। इसका मतलब है कि वे वातावरण से ग्रीनहाउस गैसों को सोखते हैं और उन्हें बायोमास में बदलते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर स्थिति निराशाजनक लग रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जंगल, दलदली इलाके, घास के मैदान और खेती वाली ज़मीन जैसे इकोसिस्टम, जो आम तौर पर कार्बन जमा करते हैं, अब ग्रीनहाउस गैसें छोड़ने लगे हैं। जर्मनी के जलवायु पर सबसे ज़्यादा असर डालने वाले क्षेत्र उद्योग, ऊर्जा और परिवहन हैं। एक जर्मन कोर्ट ने सरकार को क्लाइमेट बचाव की कोशिशों को और बढ़ाने के लिए मजबूर किया, जिसके बाद सांसदों ने मार्च में एक और पैकेज पेश किया।

आप का नज़रिया

सूखे की आहट

दक्षिण पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों को आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है। लेकिन हमें लाखों किसानों का जीविका संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश में मौसम के मिजाज में होने वाला बदलाव अब कभी-कभार की बाधा नहीं रही, बल्कि बार-बार होने वाली सच्चाई बन गया है। मानसून के व्यवहार में लगातार अनिश्चितता को देखते हुए देश के नीति-निर्माताओं को खेती संरक्षण के लिये एक ऐसा तंत्र बनाने की जरूरत है, जो मौसम के बदलावों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सके। तभी हम भविष्य की अनिश्चितताओं का सही तरीके से सामना कर सकेंगे। साथ ही हमें देश में पानी के सदुपयोग की दिशा में भी पहल करने की जरूरत है।

देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दर्शाता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है।

दृष्टि कोण

भारतीय इतिहास में बंजारा समाज

बंजारा समाज का जिक्र लोक साहित्य और लोक कथाओं में तो होता है, लेकिन इस समाज का इतिहास और इसकी उपलब्धियों के बारे में इतिहास चुप है। बंजारा समाज क्षत्रिय कुल से ताल्लुक रखता है और इसमें अनेक समुदाय शामिल हैं। लुबाना, सिकलीगर, बाजीगर, गाडिया लोहार इत्यादि सोलह बिरादरियों का लंबा समूह बनता है। अंग्रेजों ने तो इनमें से अधिकांश समूहों को 'क्रिमिनल ट्राइब्स' कर रखा था। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अंग्रेज सरकार के कितना खिलाफ थे। अंग्रेज सरकार अपने खिलाफ लडने वालों को क्रिमिनल ही कहती थी। जो लोग उस विदेशी अंग्रेज सरकार के साथ मेज पर बैठ कर आजादी की लड़ाई की इबारत लिखते थे, वे सिविलियन थे। लेकिन जो लोग दूसरे तरीके से लड़ते थे, वे क्रिमिनल थे। जो पूरे का पूरा समुदाय ही अंग्रेज सरकार के खिलाफ था, वे क्रिमिनल ट्राइब्स घोषित कर दिए जाते थे। पूर्वोत्तर के नागा तो 'हेडहंटर' ही घोषित कर दिए गए क्योंकि उन्होंने उन पादरियों के सिर काट दिए थे जो उनके देवी-देवताओं की निंदा करते थे। बंजारा समाज ने मुगल काल में तथाकथित 'अकबर महान' को नाकों चने चबवा दिए थे। अकबर ने बंजारा समाज की एक लडक़ी मल्लूकी के सौंदर्य से आकर्षित होकर उसे बलपूर्वक अपने हरम में डालने का प्रयास किया था। मुगल बादशाहों का भारतीयों के प्रति व्यवहार सम्मानजनक तो था ही नहीं, क्रूर भी था। बादशाहों का चरित्र भी निम्न दर्जे का था। उनको जो भी सुंदर लडक़ी पसंद आती थी, उसके कारिंदे उसे उठाकर बादशाह के हरम में डाल देते थे। समाज के लिए उसे निकाह का नाम दे दिया जाता था। बंजारा समाज मुगल बादशाहों की इस भोग -लोलुपता को अच्छी तरह जानता था। उस समय के बादशाह अकबर की नजर बंजारा समाज की मल्लूकी पर भी पड़ी। उसने मल्लूकी से निकाह करने का प्रयास किया, लेकिन उसे शायद अंदाजा नहीं था कि मल्लूकी बंजारा समाज की कन्या थी। बंजारा समाज ने अकबर की इस इच्छा को अपने आत्मसम्मान के लिए चुनौती माना।

मल्लुकी को बलपूर्वक प्राप्त करने के लिए मुगल सेना ने प्रयास किया। लेकिन मल्लूकी के पिता बल्लू राव बिंजरावत के नेतृत्व में बंजारा समाज ने अकबर की मुगल सेना को चुनौती ही नहीं दी, बल्कि उसे दो बार पराजित भी किया। बल्लू राव बिंजरावत का मुगल राज से संघर्ष सोलहवीं शताब्दी के अंतिम दशक में हुआ था। पहला संघर्ष मारवाड़ की संबल झील के पास और दूसरा संघर्ष सतलुज नदी के किनारों पर हुआ था। इन दो युद्धों में मीरजमीर तथा मेहरखान नाम के दो मुगल सेनापतियों को हराकर बंजारों ने सोलह बिरादरियों में ही नहीं, बल्कि मुगल रियासत में भी विजय का परचम लहराया था। इसका परिणाम यह निकला कि अकबर जिस मल्लूकी बंजारा को अपने हरम में डालना चाहता था, उसे उसको सार्वजनिक रूप से अपनी बहन कहना पड़ा। अकबर एक साथ अनेक मोर्चों पर लड़ाई लड़ रहा था। राजपूताना में वह राजपूतों के प्रतिरोध को खत्म करने का प्रयास कर रहा था। हल्दीघाटी का युद्ध (1576) उसी का परिणाम था। राजपूताना के कुछ शासकों ने तो समर्पण कर दिया, लेकिन महाराणा प्रताप जूझते रहे। हल्दीघाटी की लड़ाई के लगभग एक दशक बाद ही उसका सामना बंजारा समाज से हुआ था। मुगल काल में ही गुरु नानक देव जी ने एक नई परंपरा की शुरुआत की थी जो इतिहास में दशगुरु परंपरा के नाम से प्रसिद्ध हुई। गुरु नानक देव जी पूरे देश में घूमे थे, इसलिए उनका देश भर के बंजारों से घनिष्ठ संपर्क हो गया था। बंजारों का अकबर से आमना-सामना दश गुरु परंपरा के द्वितीय गुरु श्री अंगद देव जी के कालखंड में हुआ था।

महिला टी20 विश्व कप : ब्रिट्स के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल

ताज़मिन ब्रिट्स के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारतीय नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी।

इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया। हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताज़मिन ब्रिट्स ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने 45 और एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिट्स और वोल्वार्ड्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की।

209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इस जीत के बाद ग्रुप ए से दूसरे सेमीफाइनलिस्ट की लड़ाई और भी रोमांचक हो गई है। इंग्लैंड पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुका है।

दक्षिण अफ्रीका अपने अंतिम लीग मुकाबले में 28 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम से होगा, जो सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

एफआईएच प्रो लीग: शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया

लंदन। एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौरे में भारतीय पुरुष हाकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया। भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए। मुकाबले की शुरुआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलप्रीत सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थामस सोर्सबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका। चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कार्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

फीफा विश्व कप 2026: ब्राजील का अंतिम 32 में जापान से होगा सामना

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 का एक और मुकाबला तय हो गया है। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील अब नाकआउट चरण में जापान से भिड़ेगा। यह मुकाबला 29 जून को अमेरिका के ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे होगी। जापान ने ग्रुप एफ के अपने अंतिम मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर चार अंक हासिल किए और नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम 32 में जगह बनाई। दूसरी ओर, ब्राजील ने ग्रुप सी में दो जीत और एक ड्रा के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर नाकआउट चरण में प्रवेश किया। ब्राजील के ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाला मोरक्को अब अंतिम 32 में नीदरलैंड का सामना करेगा। ब्राजील और जापान के बीच पिछली भिड़ंत अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में हुई थी, जिसमें जापान ने 3-2 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। यह 14 मुकाबलों में ब्राजील के खिलाफ जापान की पहली जीत थी। हालांकि विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमों की अब तक केवल एक बार टक्कर हुई है। वर्ष 2006 के विश्व कप में ब्राजील ने जापान को 4-1 से हराया था।

फीफा विश्व कप 2026 : जर्मनी को 2-1 से हराकर इक्वाडोर ने अंतिम 32 में बनाई जगह

न्यूयार्क। इक्वाडोर ने शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम

32 में प्रवेश कर लिया। जीत की सख्त जरूरत के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अमेरिकी टीम ने शुरुआती झटके के बावजूद दमदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। जर्मनी ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और दूसरे ही मिनट में लेराय साने ने गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में साने का पहला गोल था। शुरुआती गोल से पिछड़ने के बाद इक्वाडोर ने लगातार हमले किए। टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले 39 प्रयासों के बावजूद कोई गोल नहीं किया था, लेकिन 40वें प्रयास में आखिरकार सफलता मिली। निल्सन एंगुलो ने शानदार कर्लिंग शाट लगाकर गेंद को गोलकीपर मैनुअल नोयर के पास से जाल में पहुंचा दिया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद इक्वाडोर का आत्मविश्वास बढ़ गया। मैच के 77वें मिनट में गोंजालो प्लाटा ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में जर्मनी ने बराबरी की भरसक कोशिश की, लेकिन इक्वाडोर के मजबूत रक्षण ने उसे कोई मौका नहीं दिया।

लंदन जैनिक सिनर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर उतरते ही रचेंगे इतिहास

लंदन

अगले सप्ताह 29 जून को शुरु हो रही विंबलडन टेनिकस चैंपियनशिप में इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर अपना पहला मैच खेलते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करेंगे। विंबलडन में सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना टेनिस के सबसे बड़े सम्मानों में से एक माना जाता है और मौजूदा चैम्पियन होने के कारण इस बार सिनर को ये सम्मान मिलेगा। वह ये सम्मान हासिल करने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। उन्होंने पिछले साल एकल खिताब जीतकर यह अधिकार हासिल किया है कि वह आगामी 2026 चैंपियनशिप की शुरुआत करेंगे।

सिनर ने इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, मेरे लिए सेंटर कोर्ट पर खेल की शुरुआत करना रोमांचक पल होगा। यहाँ का माहौल अनोखा है, दुनिया भर के टेनिस कोर्ट पर मिलने वाले किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं चैंपियनशिप के पहले मैच के लिए उस लान और उस स्टेडियम में कदम रखूंगा। यह सम्मान सिनर की करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, जो उन्हें इटालियन टेनिस इतिहास में एक विशेष स्थान दिलाती है।

सिनर की ही तरह पोलैंड की महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक भी अपनी करियर की सबसे यादगार जीतों में से एक वाली जगह पर लौटेंगी और दूसरे दिन खेल की शुरुआत करेंगी। स्वियातेक के संयम और अटूट लगन की बदौलत ही वह पिछले साल वीनस रोज़वाटर डिश जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनीं। स्वियातेक अपनी इस बड़ी उपलब्धि को याद करते हुए कहती हैं, ट्राफी उठाना शब्दों से परे का अनुभव था, क्योंकि ग्रास कोर्ट के हिसाब से अपने खेल को ढालना एक लंबी प्रक्रिया रही है। मैंने अपने फुटवर्क को बेहतर बनाने, कोर्ट पर अपनी पोज़िशन को लेकर ज़्यादा आक्रामक होने और गेंद को जल्दी हिट करने के लिए अपनी सहज समझ पर भरोसा करने पर ध्यान दिया। मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाने पर गर्व है और मेरी यात्रा के दौरान मुझ पर दिखाए गए भरोसे और समर्थन के लिए मैं आभारी हूं। गौरतलब है कि विंबलडन चैंपियनशिप का समृद्ध इतिहास रहा है, और यह खेल के कई दिग्गजों का घर रहा है। 1978 में विंबलडन में टेनिस के साथ रोलेक्स का रिश्ता शुरू होने के बाद से, रोलेक्स परिवार के कई सदस्यों ने टेनिस के इस आध्यात्मिक घर पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। ब्योर्न बोर्ग और क्रिस एवर्ट के शुरुआती बेसलाइन गेम से लेकर स्टीफन एडबर्ग और पैट राफ्टर के सटीक सर्व-एंड-वाली स्टाइल और हाल ही में रोजर फेडरर के शानदार सिंगल-हैंडेड बैकहैंड तक, टूर्नामेंट के इन दिग्गजों ने ग्रास-कोर्ट पर अपना हुनर दिखाया है और खेल को लगातार आगे बढ़ाया है।

पावर-हिटिंग और कौशल विकास के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों को अमेरिका भेजेंगे : हेसन

लाहौर। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि पाकिस्तान बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और समग्र कौशल विकास के लिए अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। हेसन के अनुसार ये पहल उभरते हुए क्रिकेटरों को नये माहौल में प्रशिक्षित कर उनकी फिटनेस और खेल को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। साथ ही कहा कि यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। हैसन के अनुसार इसे पाक क्रिकेट में बड़े बदलाव का प्रयास भी माना जा सकता है। हेसन ने बताया है कि बोर्ड इस मामले में बातचीत कर रहा है। कोच के अनुसारी कई महीनों तक चलने वाली इस पहल का मकसद न सिर्फ़ खिलाड़ियों की अनजान माहौल में पावर-हिटिंग क्षमता को बेहतर बनाना है, बल्कि उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की फ़िटनेस पर भी काम करना है जिनका करियर चोटों की वजह से प्रभावित हुआ है। हेसन ने कहा कि हम कुछ खिलाड़ियों को अमेरिका भेज रहे हैं। वहाँ पावर-हिटिंग की अच्छी विशेषज्ञता मौजूद है और हम कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से चोटों से जूझ रहे हैं, और हम उन्हें पावर-हिटिंग के अलग-अलग तरीकों और सीखने के एक नए माहौल से परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे एक ही जगह पर चार महीने बिताकर कुछ नए और ताज़ा विचार सीख सकें।हेसन ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि यह प्रोग्राम सिर्फ़ एक मकसद के लिए नहीं, बल्कि कई मकसदों के लिए है, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का तरीका बदलना भी शामिल है। इससे पहले पीसीबी के स्पोर्ट्स और एक्सरसाइज़ मेडिसिन डायरेक्टर, डा. जावेद मुग़ल ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट में फ़िटनेस से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और इसी को देखते हुए पीसीबी ने एक मज़बूत, भरोसेमंद और बार-बार इस्तेमाल की जा सकने वाली टेस्टिंग और स्क्रीनिंग प्रक्रिया तैयार की है, जिसे सभी खिलाड़ियों पर लागू किया जा रहा है। हेसन ने कहा कि यह निश्चित रूप से सिर्फ़ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि जावेद खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उनके मूल्यांकन (असेसमेंट) के तरीके को बदल रहे हैं।

फीफा विश्व कप : पैराग्वे से गोलरहित ड्रा खेलकर आस्ट्रेलिया ने अंतिम 32 में बनाई जगह

सैन फ्रांसिस्को

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने पैराग्वे के खिलाफ 0-0 से ड्रा खेलकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ आस्ट्रेलिया ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा।

सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही आस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया। कोच टोनी पोपोविच ने शुरुआती एकादश में छह बदलाव किए और नेस्टोरी इरानकुंडा तथा क्रिस्टियन वोल्पाटो को मौका दिया।

मैच के शुरुआती मिनटों में जैक्सन इरविन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर आरलैंडो गिल ने शानदार बचाव किया। इसके बाद भी जार्डन बास और वोल्पाटो ने कई हमले किए, लेकिन आस्ट्रेलियाई टीम गोल नहीं कर सकी।

दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की। कोच गुस्तावो अल्फारो ने मौरिसियो को मैदान पर उतारा, जबकि जूलियो एनसिसो ने लगातार आस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। हालांकि 82वें मिनट में एनसिसो का शाट गोलपोस्ट के बाहर चला गया।

मैच के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए। 89वें मिनट में जार्डन बास का तेज़ शाट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया। वहीं मौरिसियो के अंतिम प्रयास को आस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने आसानी से रोक लिया।

इस ड्रा के साथ आस्ट्रेलिया सात अंकों के साथ ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहते हुए नाकआउट चरण में पहुंच गया। अब उसका मुकाबला ग्रुप जी की उपविजेता टीम से होगा। दूसरी ओर, चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा पैराग्वे अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होने की उम्मीद लगाए बैठा है।

महिला टी20 विश्व कप: भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी मजबूत की

लंदन। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की आक्रामक अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत की हैं। इस मैच में बांग्लादेश ने भारतीय टीम को जीत के लिए 137 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने केवल 16.5 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की है। शेफाली वर्मा ने केवल 34 गेंदों में ही 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से 53 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी केवल 15 गेंदों में 26 रन बना दिये। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश की ओर से रितु मोनी ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों में छह अंकों के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब भारतीय टीम को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने अंतिम मैच में आस्ट्रेलियाई टीम को हराना होगा। भारतीय टीम का ग्रुप स्तर का ये अंतिम मुकाबला रविवार को आस्ट्रेलिया से होगा। अगर भारतीय टीम आस्ट्रेलिया से हारी तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहन होगा।

फीफा विश्व कप : तुर्किये ने अतिरिक्त समय में गोल कर अमेरिका को 3-2 से हराया

लास एंजिलिस

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी के औपचारिक मुकाबले में शुक्रवार को तुर्किये ने अतिरिक्त समय में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सह-मेजबान अमेरिका को 3-2 से हरा दिया। पहले ही ग्रुप विजेता बनकर अंतिम 32 में पहुंच चुका अमेरिका अपनी लगातार तीसरी जीत की तलाश में था, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुका तुर्किये सम्मान बचाने के इरादे से मैदान में उतरा।

अमेरिका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। तीसरे मिनट में आस्टन ट्रस्टी ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप में अमेरिका के लिए दूसरा सबसे तेज गोल भी रहा।

हालांकि तुर्किये ने जल्द ही वापसी की। 10वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अर्दा गुलर ने शानदार फिनिश करते हुए विश्व कप का अपना पहला गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद 31वें मिनट में एरेन एलमाली के शानदार मूव पर बारिस अल्पर यिलमाज ने गोल कर तुर्किये को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका ने बराबरी हासिल कर ली। 49वें मिनट में सेबास्टियन बेरहाल्टर ने दमदार शाट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

इसके बाद अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिक को मैदान पर उतारा गया, जिन्होंने वापसी के बाद कई अच्छे आक्रमण किए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। दूसरी ओर तुर्किये भी लगातार दबाव बनाता रहा।

जब मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, तभी अतिरिक्त समय में कान आयहान ने नजदीक से शानदार गोल दागकर तुर्किये को 3-2 की यादगार जीत दिला दी।

हार के बावजूद अमेरिका ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर रहते हुए पहले ही अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर चुका था और अब उसका सामना अगले सप्ताह बोस्निया एवं हर्जेगोविना से होगा। वहीं, तुर्किये टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने में सफल रहा।

टीम इंडिया की शर्मनाक हार, आयरलैंड ने बड़ा उलटफेर किया, आईपीएल के धुरंधर फेल

बेलफास्ट: विश्व चैंपियन टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में 34 रनों से हार झेलनी पड़ी है। इंटरनेशनल क्रिकेट में आयरलैंड ने पहली बार भारत को हराया है। आयरलैंड ने सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में 9 विकेट पर 182 रन बनाए। धुरंधरों से भरी टीम इंडिया की बैटिंग 19वें ओवर में 148 रनों पर सिमट गई। दो मैचों की सीरीज में आयरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली है। यह भारतीय कप्तान के रूप में श्रेयस अय्यर का पहला मुकाबला था। टी20 विश्व कप जीतने के बाद भी सूर्यकुमार यादव को हटाकर अय्यर को कप्तान बनाया गया है।आयरलैंड को शुरुआत अच्छी नहीं मिली थी। टीम ने 7.1 ओवर में 51 के स्कोर पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान लॉर्कन टकर ने गैरेथ डेलानी के साथ पांचवें विकेट के लिए 64 की साझेदारी कर टीम के बड़े स्कोर

की नींव रखी। टकर 36 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। डेलानी ने जॉर्ज डॉकरेल के साथ छठे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। डॉकरेल 10 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुए। डेलानी 32 गेंदों पर 3 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 49 रन बनाकर आउट हुए। डेलानी की पारी का आयरलैंड को 182 तक पहुंचाने में अहम योगदान रहा। लियाम मैकार्थी 7 रन बनाकर आउट हुए। आयरलैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 182 रन बनाए हैं। भारतीय टीम की तरफ से हर्षित राणा ने 3 और अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर और प्रसिद्ध कृष्णा महंगे रहे। सुंदर ने 1 ओवर में 19 जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 ओवर में 57 रन लुटाए।भारतीय टीम के दूसरे ओवर में संजू सैमसन के रूप में पहला झटका लग गया। एक छोर से अभिषेक शर्मा तेजी से रन बना रहे थे लेकिन ईशान किशन (1) और श्रेयस अय्यर (3) भी कोई कमाल नहीं कर पाए। अभिषेक ने 19 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की लेकिन 20वीं गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 7 चौके और दो छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। उपकप्तान तिलक वर्मा 21 गेंद पर 19 रन बनाकर 5वें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर के बल्ले से 12 गेंदों पर 9 रन ही निकले। 100 के स्कोर पर 12वें ओवर में भारत को छठा झटका लगा।अक्षर पटेल और शिवम दुबे के बीच 7वें विकटे के लिए 24 गेंद पर 35 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में दुबे (25) और 17वें में अक्षर के आउट होते ही भारत की हार पक्की हो गई। आयरलैंड के लिए डेब्यू मैच खेल रहे मैथ्यू हॉलार्ड ने 28 रन देकर तीन विकेट लिए।

न्यूज ब्रीफ

एआई से उपजे साइबर खतरों से निपटने सरकार बनाएगी एकीकृत कमांड सेंटर

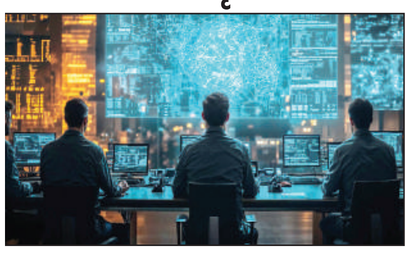

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एंथ्रोपिक के क्लाड मिथोस जैसे माडलों से उत्पन्न साइबर सुरक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत सरकार एक सशक्त और एकीकृत कमांड सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कदम एआई से जुड़े नए खतरों के प्रति देश की नीतिगत प्रतिक्रिया को मजबूत करेगा। यह नई संस्था इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन काम करेगी। इसका मुख्य कार्य एआई खतरों पर नीतिगत प्रतिक्रिया और केंद्र व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। अधिकारियों के अनुसार, सरकार को एकीकृत कमांड सेंटर की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि फ्रंटियर एआई से उत्पन्न खतरों पर प्रतिक्रिया देने का समय बहुत कम होगा और जोखिम तेजी से बढ़ेंगे। सरकार का मानना है कि इन नए माडलों से निपटने के लिए एक एकीकृत नीति प्रतिक्रिया आवश्यक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस नए संगठन में सरकार, शिक्षाविद और नई एआई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आईटी मंत्रालय के नए एआई कानून से इस केंद्र को अधिकार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, सरकार उन कुछ कंपनियों से भी संपर्क कर रही है जिनके पास क्लाड सुरक्षा पहुंच है, ताकि वे अपने नतीजों को उद्योग के साथ साझा करें।

अप्रिलिया ने लांच किए नए ट्रिब्यूट एडिशन माडल

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में अप्रिलिया कंपनी ने 2 स्पोर्टी स्कूटरों, एसआर 125 और एसआर 175 के नए ट्रिब्यूट एडिशन माडल लान्च कर दिए हैं।

आटो सेक्टर में बंपर बिक्री की उम्मीद, जून में दिखेगी रौनक

कारों की डिमांड ज्यादा, 20 फीसदी से अधिक ग्रोथ के आसार

आसान लोन और नए माडल्स ने बढ़ाया उत्साह

टाटा मोटर्स और महिंद्रा में सबसे बड़ी बढ़त की उम्मीद

नई दिल्ली

जून महीना भारतीय आटो उद्योग के लिए अच्छी खबर लेकर आया है। एक ब्रोकरेज की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, नई गाड़ियों की मजबूत मांग, ग्राहकों के लिए आसान वाहन ऋण और निर्यात में उल्लेखनीय सुधार के चलते जून में वाहन कंपनियों की बिक्री में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यात्री वाहन, दोपहिया, कमर्शियल वाहन और ट्रैक्टर, सभी प्रमुख श्रेणियों में बिक्री में वृद्धि का अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जून में कारों की बिक्री 20 फीसदी से अधिक बढ़ सकती है।

लोगों के लिए वाहन खरीदना पहले से आसान हुआ है, बाजार में नए माडलों की उपलब्धता बढ़ी है और आसान फाइनेंस विकल्प इसकी प्रमुख वजह होंगे। टाटा मोटर्स की कारों की बिक्री में करीब 55 फीसदी, महिंद्रा में 24 फीसदी, मारुति सुजुकी में 10 फीसदी और हुंडई की बिक्री में लगभग 1 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। दोपहिया वाहन: दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। शादी-ब्याह का सीजन, सुलभ लोन और अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी बाजारों में बढ़ता निर्यात इस श्रेणी को रफ्तार देगा। नुवामा का अनुमान है कि टीवीएस मोटर की बिक्री में लगभग 29 फीसदी, रायल एनफील्ड की 28 फीसदी और बजाज आटो की 22 फीसदी की वृद्धि संभावित है। हालांकि, हीरो मोटोकार्प की बिक्री पिछले साल के उच्च आधार के कारण करीब 2 फीसदी घट सकती है। ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन भी रहेंगे मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार, किसानों के पास बढ़ती नकदी और आसान ऋण उपलब्धता के चलते ट्रैक्टरों की बिक्री में भी 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि का अनुमान है। हालांकि, डीजल की बढ़ती कीमतें किसानों की लागत बढ़ा सकती हैं। वहीं, कमर्शियल वाहन (ट्रक और बस) सेगमेंट भी मजबूत प्रदर्शन करेगा, जिसमें टाटा मोटर्स अपने नए और कम खर्च वाले माडलों के दम पर सबसे बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। ज्यादातर वाहन कंपनियों के निर्यात में भी सुधार देखने को मिलेगा, जिससे कुल बिक्री आंकड़ों को और मजबूती मिलेगी।

हुंडई की दो सालों में पांच नई गाड़ियां लान्च करने की योजना

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी दूसरी पोजीशन को बनाए रखने बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी अगले दो सालों में पांच नई गाड़ियां लान्च करने की योजना बना रही है, जिनमें नई क्रेटा से लेकर 7-सीटर एसयूवी तक शामिल हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी है, जिसकी टेस्टिंग भारत और दक्षिण कोरिया में चल रही है। यह नए के3 प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें पूरी तरह से नया डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन मिलने की उम्मीद है, जो 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसके बाद हुंडई बेयोन क्रासओवर एसयूवी आएगी, जिसे वेन्यू और क्रेटा के बीच पोजिशन किया जाएगा। यह आधुनिक डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और स्ट्रान्ग-हाइब्रिड इंजन के साथ 2026 के अंत तक लान्च हो सकती है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में, हुंडई एचई1आई (॥श्व1द्व) इलेक्ट्रिक माइक्रो-एसयूवी लाने वाली है, जो टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी। यह डेडिकेटेड ई-जीएमपी प्लेटफार्म पर बनेगी और 300 से 350 किमी की रेंज देने का दावा करेगी, जिसके 2026 में आने की संभावना है। कंपनी अपनी लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक, चौथी पीढ़ी की आई20 को भी पेश करेगी, जिसमें नया तेज डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और बेहतर सुरक्षा मिलेगी, जो 2027 में आ सकती है।

कोडियाक आरएस की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली

गुणवत्तायुक्त कार निर्माता कंपनी स्कोडा ने अपनी उच्च-प्रदर्शन वाली एसयूवी, कोडियाक आरएस की बुकिंग शुरू कर दी है। अनुमान है कि इसकी कीमत लगभग 55 से 60 लाख रुपये के बीच हो सकती है। तीन लाख रुपये की आरंभिक बुकिंग राशि के साथ, यह वाहन भारत में केवल 50 इकाइयों की सीमित संख्या में उपलब्ध होगा, जो इसे विशेष ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है।

यह पहली बार है जब स्कोडा भारत में आक्टाविया आरएस के अलावा किसी अन्य आरएस माडल को आधिकारिक तौर पर पेश कर रही है, जिससे वाहन प्रेमियों में काफी उत्साह है।

नई कोडियाक आरएस में वही दमदार दो लीटर, चार-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है जो आक्टाविया आरएस में भी मिलता है, लेकिन यहां इसे 265 अश्वशक्ति और 400 न्यूटन मीटर टार्क के साथ अधिक शक्तिशाली बनाया गया है। यह इंजन सात-गति वाले स्वचालित द्वि-क्लच गियरबाक्स और आल-व्हील-ड्राइव प्रणाली से लैस है, जो इसे शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार मात्र 6.3 सेकंड में प्राप्त करने में मदद करता है। इसकी अधिकतम गति 231 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो इसके खेल-उन्मुख प्रदर्शन को उजागर करती है। वाहन में उन्नत अनुकूली सस्पेंशन प्रणाली दी गई है, जिसे चालक 15 स्तरों तक समायोजित कर सकता है, साथ ही इसमें ईको, स्पोर्ट और स्नो जैसे विभिन्न ड्राइविंग मोड भी उपलब्ध हैं।

बाहरी डिजाइन को सामान्य कोडियाक से अधिक आक्रामक बनाया गया है, जिसमें नए बंपर, चमकदार काले सजावटी तत्व, आरएस प्रतीक चिन्ह और 20 इंच के मिश्रधातु पहिए शामिल हैं। केबिन में काले रंग की थीम के साथ लाल सिलाई, आरएस स्टीयरिंग व्हील और आरामदायक स्पोर्ट सीटें मिलती हैं, जो सात सीटों के साथ प्रीमियम और स्पोर्टी अनुभव प्रदान करती हैं। सुविधाओं में लगभग 13 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल चालक डिस्प्ले, पैनोरमिक सनरूफ, तीन-क्षेत्रीय तापमान नियंत्रण, और वेंटिलेशन व मसाज वाली इलेक्ट्रिक सीटें शामिल हैं। सुरक्षा के लिए इसमें नौ एयरबैग और उन्नत चालक सहायता प्रणालियां (एडीएएस) भी मौजूद हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कैमरे में...

ड्यूटी से वापस जाते वक्त किसी भी कर्मचारी की तलाशी नहीं लेने की लापरवाही का ही नतीजा था कि धीरे-धीरे उस कमरे से ही चोरी करने लगे थे, जहां दान पेटियां खुलती, नोट छांटे जाते और गड्डी बनाई जाती थी।

पुलिस की गिरफ्त में आए अविनाश पांडे का सीसीटीवी फुटेज देखा गया और उसके डरा जो रकम चोरी की जा रही थी, उसी तारीख में बैंक में रकम जमा भी कराई गई है। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी ने पूछताछ के दौरान मिलान कराया तो पुष्टि हुई कि चढ़ावा चोरी से जमा की गई रकम का एक हिस्सा अविनाश अपने बैंक खाते में जमा कर रहा था। जो श्रद्धालु दानपेटी में जेवरात दान करते थे, उसे भी यह लोग चोरी कर लेते।

बाली, झुमकी, नथ, बाल रूप राम लाल के कंगन, पैजनिया जैसे जेवरात भी चोरी कर लेते थे। सबसे अहम बात यह है कि चोरी पहले करते थे, बाद में नोटों की गिनती या दान पेटी में मिले जेवरात की लिखा-पढ़ी होती थी।

इसके अलावा, इस मामले में राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और सुभाष चंद्र ऐसे शख्स हैं, जो बार-बार राम मंदिर ट्रस्ट के उस कमरे में आते-जाते थे, जहां दान पेटियां खुलती थीं।

बैंक में ...

उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित चोरी और गबन के मामले की जांच में अब कई अहम जानकारियां सामने आ रही हैं। शुरुआती जांच के दौरान मिले सबूतों, हिडन कैमरों की फुटेज और पूछताछ के आधार पर जांच एजेंसियों ने कथित तौर पर चोरी के पूरे तरीके का खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि दानपेटियों से नकदी और जेवरात निकालने, नोटों की गिनती, वाउचर तैयार करने और बैंक में रकम जमा कराने तक की प्रक्रिया में कथित तौर पर सुनियोजित तरीके से हेराफेरी की जा रही थी।

इसी जांच के आधार पर कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और अब पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है। मई महीने के आखिरी हफ्ते में राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों ने बैंक में जमा हो रही रकम का ब्यौरा देखा और रोजाना दान पेटियों के खाली होने के क्रम की पड़ताल की तो सबसे पहले चोरी का शक पैदा हुआ!

दान पेटी में 7-8 लाख रुपए जमा होते थे, 500 की गड्डी में दिखी कमी

दरअसल, एक दान पेटी में 7 से 8 लाख रुपए एक बार में जमा होते थे, लेकिन कुछ सप्ताह के क्रम में 500 की गड्डी में कमी देखी गई। इसके बाद शक गहराया तो नोट गिनने वाले कमरे में कुछ हिडन कैमरे लगवाए गए। इस हिडन कैमरे की एक हफ्ते की फुटेज देखी गई तो पता चला कि नोट गिनने की प्रक्रिया में लगे कर्मचारी सामने दिख रहे सीसीटीवी के सामने खड़े हो जाते हैं और दूसरे साथी बनाए गए नोटों की गड्डी में नोट चोरी कर कपड़ों में छुपा लेते हैं, लेकिन हिडन कैमरे में उनकी यह चोरी पकड़ी गई। मिली जानकारी के मुताबिक, यह चोरी एक और तरह से हो रही थी।

चंपत राय ...

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) का हिस्सा बने। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरों में उनकी गिनती होती रही है। आपातकाल के दौरान वह 18 महीने तक जेल में भी रहे। वर्ष 2020 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन के बाद उन्हें महासचिव बनाया गया था। मंदिर निर्माण, प्रशासन और दान प्रबंधन की जिम्मेदारी उनके पास थी।

अनिल मिश्रा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी थे। वह अयोध्या के सामाजिक और प्रशासनिक कार्यों से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। ट्रस्ट में उनकी भूमिका मंदिर के प्रशासनिक कार्यों, चढ़ावे और दान व्यवस्था की निगरानी से जुड़ी थी। स्थानीय स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ के चलते उन्हें ट्रस्ट में शामिल किया गया था।

दोनों के इस्तीफों के बाद एसआईटी की जांच और तेज होने की संभावना है। जांच एजेंसियां दान प्रबंधन से जुड़े दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। मामले की जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित अनियमितताओं की वास्तविक जिम्मेदारी किस पर तय होती है।

फास्ट-ट्रैक ...

फिर आरोपी और उनका परिवार। 29 तारीख को हम अदालत के सामने अपना पक्ष रखेंगे। हमारी ओर से सिया गोयल के लिए न्यायिक हिरासत (ज्यूडिशियल कस्टडी) की मांग की जाएगी। यदि पुलिस उनकी पुलिस रिमांड की मांग करती है, तो उसे अदालत के सामने यह स्पष्ट करना होगा कि रिमांड की आवश्यकता क्यों है। 29 तारीख को दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें रखेंगे, जिसके बाद अदालत न्याय के हित में जो उचित होगा, वही फैसला सुनाएगी।

उज्ज्वल निकम बनाए गए स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर

इस बेहद हाई प्रोफाइल मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किया गया है। निकम ने बताया कि शुक्रवार दोपहर उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का फोन आया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि केतन अग्रवाल के परिवार ने उनसे मुलाकात कर इस मामले में उन्हें स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर बनाने का अनुरोध किया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने मुझसे केस में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम करने का अनुरोध किया। मैंने उनकी बात स्वीकार करते हुए यह जिम्मेदारी संभालने के लिए हामी भर दी।

सरकार ने किया फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन

बेटे के लिए इंसाफ मांगने के लिए केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल ने आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर बेटे के लिए न्याय की मांग की। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने तुरंत इस मामले की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री ने कानून एवं न्याय विभाग के सचिव को इस संबंध में जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इससे साफ है कि सरकार इस मामले की सुनवाई को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाना चाहती है।

सिया नित...

अधिकारियों के मुताबिक, शादी से पहले दोनों के बीच हुई बातचीत से साफ है कि वे एक सामान्य और खुशहाल कपल की तरह बात कर रहे थे। चैट में दोनों एक-दूसरे के प्रति काफी लगाव और प्यार जता रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, फोन से जो चैट मिले हैं, उनके आधार पर सिया के दावों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पुलिस ने साफ किया है कि इस पूरे मामले की हर मुमकिन एंगल से बारीकी से जांच की जा रही है ताकि सच सामने आ सके।

केतन के हकलाने और गंजेपन से परेशानी!

दूसरी ओर पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सिया को केतन का गंजापन बिल्कुल पसंद नहीं था। इसके साथ ही केतन को बोलने में थोड़ी दिक्कत थी और वह कभी-कभी हकलाता था। सिया इस बात से बेहद नफरत करती थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सिया ने दावा किया कि उसने यह बात अपने परिवार को भी बताई थी, लेकिन उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं थी। पुलिस की पूछताछ में सिया ने दावा किया था कि उसने केतन को शादी के लिए मना कर दिया था। लेकिन केतन के फोन से मिले चैट कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। केतन के सामने सिया एक आदर्श मंगेतर होने का नाटक करती थी। वह चैट पर उससे बेहद प्यार से बात करती थी ताकि केतन को कोई शक न हो।

क्या शादी के दबाव में हुआ मर्डर?

गौरतलब है कि 18 जून को पुणे के पास लोहागढ़ किले से गिरने के कारण केतन अग्रवाल की मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया था। लोनावला ग्रामीण पुलिस इस मामले को हत्या मानकर जांच कर रही है। पुलिस को शक है कि मुख्य आरोपी सिया गोयल जिंदगी के इस पड़ाव पर शादी नहीं करना चाहती थी। उस पर केतन से शादी करने के लिए परिवार का भारी दबाव था। इसी वजह से इस वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके दोस्त चेतन चौधरी को 23 जून को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने दोनों को सात दिनों की पुलिस कस्टडी में भेजा है। दोनों आरोपी 29 जून तक पुलिस की रिमांड में रहेंगे और उनसे लगातार पूछताछ जारी है।

बालिका...

तेजस्वी कुमारी जोधा को उत्तराधिकारी बनाए जाने का फैसला केवल परिवार तक सीमित नहीं रहा। इसमें 25 से अधिक गांवों के राजपरिवारों और ठाकुर परिवारों की सहमति भी शामिल रही। इसी सामूहिक सहमति के बाद परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार उन्हें गांव की नई ठाकुर घोषित किया गया।जानकारी के अनुसार राजस्थान में यह पहला अवसर माना जा रहा है, जब किसी ठिकाने में एक बालिका को इस तरह की पारंपरिक रस्मों के साथ ठाकुर और उत्तराधिकारी घोषित किया गया। इस कारण यह समारोह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। परंपरा, इतिहास और बदलते समय का यह अनोखा संगम देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार, पारंपरिक राजपूती रीति-रिवाज और पूर्व राजपरिवार की परंपराओं का पालन किया गया। समारोह के दौरान मौजूद लोगों ने इसे ऐतिहासिक पल बताया।

संजय जाजू ...

ये पद पहले रामकृष्ण राव के पास थे। जाजू के फरवरी 2029 में सेवानिवृत्त होने की उम्मीद है। 13 साल बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से गृह कैडर में वापसी, कई अहम मंत्रालयों में रहे।

संजय जाजू को मंगलवार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से मुक्त कर तेलंगाना कैडर में वापस भेज दिया गया था, जिसके बाद वे लगभग 13 साल बाद राज्य में लौटे हैं। हाल ही में वे पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा उन्होंने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में भी वरिष्ठ पदों पर काम किया, जहां उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड में ऑनलाइन सेवाएं शुरू करने का श्रेय दिया जाता है।

2014 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले, जाजू ने अविभाजित आंध्र प्रदेश में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया था, जिसमें पूर्वी गोदावरी जिले के कलेक्टर, तत्कालीन हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त, आईटी सचिव और आंध्र प्रदेश बुनियादी ढांचा निगम के उपाध्यक्ष का पद शामिल है। उन्होंने नागरिक केंद्रित पोर्टल 'मी सेवा' को डिजाइन और लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई थी, जिसने अविभाजित राज्य में सरकारी सेवाओं की डिलीवरी को पूरी तरह बदल दिया था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य और केंद्र सरकारों में व्यापक प्रशासनिक अनुभव, केंद्रीय मंत्रालयों के साथ दीर्घकालिक जुड़ाव और तेलंगाना की प्रमुख परियोजनाओं के लिए तेजी से मंजूरी दिलाने की क्षमता के कारण राज्य के शीर्ष नौकरशाही पद के लिए संजय जाजू को प्राथमिकता दी। सरकार वर्तमान में हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार, मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना, नए हवाई अड्डे, क्षेत्रीय रिंग रोड (ठठठ), क्षेत्रीय रिंग रेल, प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर और भारत फ्यूचर सिटी सहित कई बड़ी पहलों के लिए केंद्रीय मंजूरी और वित्तीय सहायता प्राप्त करने में जुटी है। जाजू का केंद्र सरकार के कामकाज से परिचय इन परियोजनाओं के लिए नई दिल्ली के साथ समन्वय को मजबूत करेगा।

जाजू की नियुक्ति राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री दिसंबर 2028 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास एजेंडे के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जाजू की तेलंगाना कैडर में वापसी को व्यापक रूप से इसी रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि 1992 कैडर के जाजू के बैचमेट वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जयेश रंजन और विकास राज भी इस दौड़ में शामिल थे, लेकिन रेवंत रेड्डी ने मुख्य रूप से जाजू को चुना क्योंकि उनका पिछली बीआरएस सरकार से कोई जुड़ाव नहीं रहा है और उनका सेवा कार्यकाल भी लंबा है। जहां जयेश रंजन सितंबर 2027 में और विकास राज फरवरी 2028 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, वहीं संजय जाजू फरवरी 2029 तक सेवा में रहेंगे, जिससे अगले विधानसभा चुनावों से पहले और ठीक बाद की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान प्रशासन में निरंतरता सुनिश्चित होगी।

अधिकारियों ने कहा कि रंजन या राज में से किसी को नियुक्त करने पर चुनाव से कुछ महीने पहले ही मुख्य सचिव को फिर से बदलना पड़ता, जिससे सरकार को एक नया उत्तराधिकारी तलाशना पड़ता और नए अधिकारी को इस राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय में राज्य के शीर्ष प्रशासनिक पद पर सेट होने के लिए बहुत कम समय मिलता। इसलिए शासन में स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए जाजू की वापसी को सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया।

प्रशासनिक सुधारों को लागू करने के लिए मशहूर और निर्विवाद छवि वाले अधिकारी जाजू का केंद्र सरकार में एक दशक से अधिक का अनुभव तेलंगाना को आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय मंत्रालयों से त्वरित मंजूरी और धन सुरक्षित करने में मदद करेगा। इस नियुक्ति के साथ ही रामकृष्ण राव का मुख्य सचिव के रूप में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। मूल रूप से अगस्त 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले रामकृष्ण राव को राज्य सरकार से दो चरणों में अभूतपूर्व 10 महीने का विस्तार मिला था – पहले मार्च 2026 तक सात महीने के लिए और बाद में 30 जून, 2026 तक तीन महीने के लिए। सेवानिवृत्ति के बाद वे सलाहकार और मुख्यमंत्री के पदेन विशेष मुख्य सचिव के रूप में राज्य सरकार की सेवा जारी रखेंगे।

15-16 विधायक...

और जिसमें जो योग्यता है उस हिसाब से हम उसको जिम्मेदारी देंगे। जब संजय निरुपम से पूछा गया कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के कितने विधायक आप लोगों के संपर्क में हैं तो इसके जवाब में संजय निरुपम ने कहा कि 2022 में जो एकनाथ शिंदे साहब के नेतृत्व में शिवसेना में उठाव हुआ, जिसमें लगभग 40 एक साथ निकले थे। वह सब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में अनास्था व्यक्त करते हुए निकले थे। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने हिंदुत्व को तिलांजलि दे दी और उसके बाद शिवसेना प्रमुख के विचारों को त्याग कर कांग्रेस से हाथ मिलाया। 2022 से लगातार वो सिलसिला जारी है।संजय निरुपम ने आगे कहा कि यूबीटी से रोज उनके पदाधिकारी पूरे महाराष्ट्र में छोड़-छोड़ के निकल रहे हैं और हमारी पार्टी में आ रहे हैं। अब हमारी पार्टी में क्यों आ रहे हैं क्योंकि शिवसेना प्रमुख के विचारों में उनको विश्वास है और हमारी शिवसेना, शिवसेना प्रमुख के विचारों के साथ चल रही है। मैं उद्धव ठाकरे की पार्टी की बात बोल रहा हूं। उधर से तो और भी संपर्क में हैं लोग। यूबीटी के 20 विधायकों में से 15-16 लोग हमारी पार्टी में आने को तैयार हैं।

हैदराबादी गोल्ड...

और लोग भी इस कथित धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। अत्तापुर का रहने वाला यह 34 वर्षीय व्यक्ति सोशल मीडिया पर अपने वीडियो और तस्वीरों के लिए काफी मशहूर था। वह अक्सर सफेद कपड़ों में भारी सोने जैसे दिखने वाले आभूषणों से लदा हुआ मंदिरों के दर्शन और सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देता था।

सूर्या भाई इस साल मार्च में गहनों के भव्य प्रदर्शन को लेकर आयकर विभाग के रडार पर आया था। पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने पाया कि उसके अधिकांश आभूषण असली सोने के बजाय कम कीमत वाले नकली आदमियों/सामग्रियों से बने थे। हालांकि उसने शुरू में दावा किया था कि आभूषणों की कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है, लेकिन बाद में मूल्यांकन में सुधार किया गया और अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि गहनों में से केवल 3 लाख रुपये का सोना ही असली था। इस खुलासे ने उसकी बनाई गई छवि की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े कर दिए। जांचकर्ताओं का मानना है कि इसी फर्जी छवि की मदद से उसने संभावित निवेशकों का भरोसा जीता था।पुलिस के अनुसार, सूर्या भाई कथित तौर पर लोगों को यह दावा करके लुभाता था कि वह बाजार दर से काफी कम कीमत पर आयातित सोना दिला सकता है। लोगों का विश्वास जीतने के लिए वह खुद को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर वी.सी. सजनार का करीबी सहयोगी बताता था। उसके दावों और अमीरी की सोची-समझी छवि पर भरोसा करके कई लोगों ने बड़ी रकम निवेश कर दी। हालांकि, आरोपी न तो वादा किया हुआ सोना दे सका और न ही पैसे वापस कर पाया, जिसके बाद पीड़ितों ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया।एक शिकायत में पीड़ित ने आरोप लगाया कि सूर्या भाई ने आयातित सोने की आपूर्ति के वादे पर 32 लाख रुपये ऐंठे थे। जब बार-बार सोने या रिफंड की मांग करने पर कोई नतीजा नहीं निकला, तो शिकायतकर्ता ने उसके आवास पर जाकर उसका सामना किया। पीड़ित का आरोप है कि सूर्या भाई ने शुरू में समझौते के तहत तीन आईफोन और 20 लाख रुपये का एक चेक सौंपा था, लेकिन बाद में उसने शिकायतकर्ताओं को धमकाकर फोन वापस ले लिए। इस शिकायत के आधार पर अत्तापुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की, जिसे बाद में जांच के लिए नारायणगुड़ा पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर दिया गया। धोखाधड़ी के आरोपों के अलावा, हैदराबाद पुलिस ने अधिकारियों को गलत जानकारी देने और झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में सूर्या भाई पर एक अलग मामला भी दर्ज किया है। जांचकर्ता अब इस कथित धोखाधड़ी के पूरे दायरे की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इसी तरह के तौर-तरीकों का उपयोग करके और भी पीड़ितों को ठगा गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 27 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एसबीआई और तेलंगाना सरकार के बीच समझौता सरकारी कर्मचारियों को मिलेंगे विशेष बैंकिंग लाभ

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 25 जून 2026 को तेलंगाना सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत सरकारी कर्मचारियों को कई विशिष्ट बैंकिंग लाभों के साथ एक व्यापक सैलरी पैकेज स्कीम प्रदान की जाएगी।

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य तेलंगाना राज्य सरकार के कर्मचारियों को बेहतरीन लाभ, वित्तीय लचीलापन और बेजोड़ सुविधा प्रदान करने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए बैंकिंग समाधानों का लाभ देना है। एसबीआई ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एक अनूठा मूल्य प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें डेबिट और क्रेडिट कार्ड से जुड़े लाइफस्टाइल लाभ, परिवार के सदस्यों के लिए विशेष लाभ, व्यापक पेंशन पैकेज, मानार्थ व्यक्तिगत दुर्घटना और हवाई दुर्घटना बीमा, लॉकर पर छूट और पर्सनल लोन आदि शामिल हैं।

कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा और सुविधा को मजबूत करने का प्रयास

इस अवसर पर बोलते हुए एसबीआई, हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक श्री नीलेश द्विवेदी ने राज्य सरकार के प्रति निरंतर संरक्षण और राज्य सरकार के कर्मचारियों को अधिक प्रभावी ढंग से सेवा देने के लिए बैंकिंग क्षेत्र को यह विशेषाधिकार सौंपने पर गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य के व्यापक वित्तीय समावेशन और कल्याणकारी उद्देश्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

यह समझौता ज्ञापन सरकारी संस्थानों के साथ अपने सहयोग को मजबूत करने और पूरे राज्य में प्रौद्योगिकी-संचालित, ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की बैंक की प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर साबित होगा।

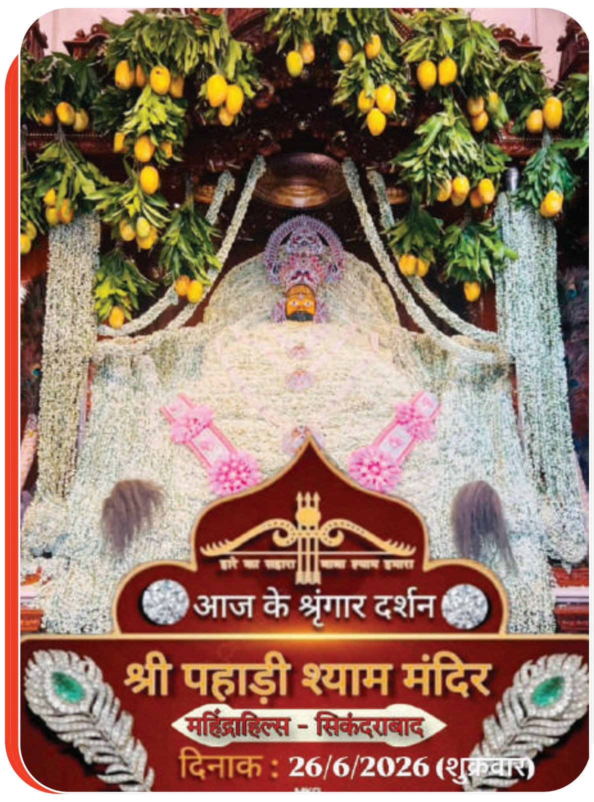

मिधानि में नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में

कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) द्वारा कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में कंप्यूटर पर हिंदी के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा राजभाषा हिंदी में कार्यकुशलता को बढ़ावा देना था।

प्रतियोगिता का उद्घाटन श्री एम.पी. रमेश, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) (प्रभारी, सुरक्षा, ईएमएस एवं प्रशिक्षण एवं विकास) ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में राजभाषा हिंदी का प्रभावी प्रयोग समय की आवश्यकता है तथा सरकारी उपक्रमों में कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने की दक्षता विकसित करना राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने-अपने कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए नराकास (उपक्रम) द्वारा मिधानि को राजभाषा शील्ड प्रदान किए जाने तथा इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन का अवसर देने के लिए नराकास (उपक्रम) के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों की यूनिकोड आधारित हिंदी टंकण, कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन, दस्तावेज़ निर्माण, संपादन तथा हिंदी में कार्य करने की दक्षता का परीक्षण किया गया।प्रतियोगिता के मूल्यांकनकर्ता श्री संतोष कुमार, सहायक निदेशक (टंकण एवं आशुलिपि), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के प्रश्न-पत्र की संरचना, परीक्षा की प्रक्रिया तथा मूल्यांकन के मापदंडों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में नराकास (उपक्रम) की कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री आशीष किरोडीवाल तथा श्रीमती उषारानी, अतिरिक्त अधिकारी (वाणिज्यिक एवं परिचालन) पर्यवेक्षक के रूप में और वी.के.एस. महालक्ष्मी (ईसीआईएल) ने नराकास (उ.) की प्रतिनिधि के रूप में अपनी उपस्थित दर्ज की।

प्रतियोगिता में नराकास (उपक्रम) के विभिन्न सदस्य कार्यालयों से प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें रम्या श्री (नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड), जी. स्नेहा (जी. स्नेहा), डॉ. विकास कुमार आज़ाद (मिश्र धातु निगम लिमिटेड), कमल पारमुवाल (राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड), सुशील भास्कर जोशी (बीएचईएल, रामचंद्रपुरम), अमृत सिंह (बीएचईएल, रामचंद्रपुरम), शुक्ला उपेन्द्र कुमार (एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया), ऋभु देव तिवारी (भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय, तारनाका), एम. भास्कर किरण (ईसीआईएल), मनीषा मंजरी (भारतीय खाद्य निगम), रत्नेश के. भट्ट (मिश्र धातु निगम लिमिटेड), बोडा नरेश (प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद), के. मधु वर्मा (प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद), एल. नागेश्वर राव (भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद), रामनारायण यादव (बीएचईएल कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास, विकासनगर), सीमा रानी (भारत संचार निगम लिमिटेड, हैदराबाद), टी. श्रीनिवास राव (एनएमडीसी लिमिटेड), भीष्म शर्मा (भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद), एन. विजया लक्ष्मी (भारत डायनामिक्स लिमिटेड), मनोहर नाइक (भारत डायनामिक्स लिमिटेड), करिश्मा गिरी (भारतीय खाद्य निगम), शेख चांद बाशा (रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद), धर्मराज कुमार (भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद) तथा तेज प्रताप ठाकुर शामिल थे।कार्यक्रम के आरंभ में प्रतियोगिता के संचालक डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता की रूपरेखा एवं नियमों से अवगत कराया। कार्यक्रम में अंत में सभी प्रतिभागियों, मूल्यांकनकर्ता एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़कर मानव सेवा का अवसर मिलना हमारा सौभाग्य : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं सेवा भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सभी सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ भाग लेते हुए मानवता की सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि ''हम सभी का यह परम सौभाग्य है कि हमें राधे-राधे ग्रुप जैसे सेवा और संस्कार से जुड़े परिवार का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। भूखे और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है। जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य सफल होता है।''

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें प्रतिदिन भोजन की आवश्यकता होती है। यदि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार थोड़ा-सा भी सहयोग करे तो कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। सेवा केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं होती, बल्कि समय, श्रम और प्रेमपूर्वक किया गया सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य इसी भावना के साथ प्रतिदिन नियमित अन्नदान सेवा में अपनी सहभागिता निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि नियमित अन्नदान सेवा ईश्वर की सच्ची उपासना है। जरूरतमंदों की सेवा करने से आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। सभी ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक स्वरूप में जारी रखा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

इस अवसर पर रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, महेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, मायाराम अग्रवाल, पाबूराम कुमावत एवं जय प्रकाश सारड़ा उपस्थित रहे।

महासती राजमती जी म.सा. आदि ठाण 3, बोवेनपल्ली स्थित गौतम चंद श्रीश्रीमाल के निवास स्थान पर विराजित हैं। इसी अवसर पर दर्शन-वंदन करते हुए जैन रत्न संपत राज कोठारी, गौतम चंद श्रीश्रीमाल, अनिल श्रीश्रीमाल, महावीर बोहरा, सुरेश भंसाली, नरेंद्र मंडोत, विनोद श्रीश्रीमाल, महावीर भंसाली, सुरेश भंसाली, निहालचंद कोठारी आदि।

गोशामहल मंडल में बूथ संख्या 116 पर एसआईआर प्रारंभ

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत गोशामहल मंडल के बूथ संख्या 116 पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा मतदाता सत्यापन एवं गणना कार्य प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा के बीएलए-2 नटराज नामधारी तथा पूर्व पार्षद लाल सिंह ने बीएलओ के साथ मिलकर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने गणना प्रपत्र भरने में सहयोग किया तथा आम मतदाताओं को मतदाता सूची के सत्यापन एवं पंजीकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं को मतदाता सूची में नामों की शुद्धता सुनिश्चित करने, आवश्यक संशोधन कराने तथा नए पात्र मतदाताओं के पंजीकरण के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में उमेश, मणिमुरी साई, डोमाला, लक्ष्मीनारायण पनगंटी, राजा जोहरी, सुधाकर गौड़ एवं नरसिंग अप्पा सहित अनेक बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ के साथ पूर्ण सहयोग करें तथा मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

निर्जला एकादशी पर पहाड़ी श्याम मंदिर में भव्य श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर 'श्री राज मित्र मंडल' के तत्वावधान में भव्य श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर बाबा श्याम के भजनों का रसपान किया।

संकीर्तन के दौरान भजन गायक पंकज ओझा, दीपेश जोशी एवं निलेश शर्मा ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों पर उपस्थित श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे।

कार्यक्रम के दौरान भजन गायकों एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, अशोक सिंघानिया, रूपेश सिंघानिया, ब्रिजेश मोदी तथा श्री राज मित्र मंडल के प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल एवं प्रवीण अग्रवाल (नाचारम) सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के चरणों में सुख, समृद्धि एवं लोककल्याण की प्रार्थना की। भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

किशन रेड्डी ने सनतनगर में ओपन जिम का किया उद्घाटन भाजपा नेता रहे मौजूद

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने आज सनतनगर में नेहरू नगर पार्क के सामने स्थित आयुर्वेदिक पार्क में एक 'ओपन जिम' का उद्घाटन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों के बीच फिटनेस को बढ़ावा देना और एक स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना है।

इस उद्घाटन समारोह के अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और स्थानीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से भाजपा नेता सपना गुप्ता, निवेदिता, डिवीजन अध्यक्ष नरेश, वरिष्ठ नेता दयानंद, सुनील, कांति और चंद्रशेखर शामिल थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और नागरिकों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

चेवेल्ला में प्रस्तावित होगी देश की पहली निजी डेटा सेंटर सिटी

1,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित होगा डिजिटल हब, मुख्यमंत्री ने डीपीआर तैयार करने के दिए निर्देश

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार राज्य को देश का अग्रणी डिजिटल, सूचना प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी पहल पर कार्य कर रही है। इसी क्रम में रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के आलूर क्षेत्र में देश की पहली निजी डेटा सेंटर सिटी विकसित करने की प्रस्तावित योजना पर प्रारंभिक स्तर पर कार्य शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। आईटी एवं उद्योग विभाग द्वारा परियोजना के लिए लगभग 1,500 एकड़ भूमि की प्रारंभिक पहचान की गई है। वर्तमान में भूमि सर्वेक्षण, तकनीकी अध्ययन, आधारभूत सुविधाओं के मूल्यांकन तथा विभिन्न विभागों से आवश्यक सूचनाएं एकत्र करने की प्रक्रिया जारी है। सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अभी भूमि अधिग्रहण, निर्माण कार्य अथवा प्रभावित गांवों की अंतिम सूची के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

स्थानीय क्षेत्र को मिल सकते हैं विकास के नए अवसर

यदि परियोजना को अंतिम स्वीकृति प्राप्त होती है और इसका निर्माण कार्य शुरू होता है, तो चेवेल्ला एवं आसपास के क्षेत्रों में सड़क, बिजली, जलापूर्ति, इंटरनेट, सार्वजनिक परिवहन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास को गति मिल सकती है। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, सुरक्षा सेवाएं, निर्माण, रखरखाव, परिवहन, होटल, खान-पान, गोदाम, सफाई तथा अन्य सेवा क्षेत्रों में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, किराये के मकानों के संचालकों, परिवहन व्यवसायियों तथा स्थानीय सेवा प्रदाताओं की आय में भी वृद्धि हो सकती है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को मिल सकता है बड़ा प्रोत्साहन

विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना तेलंगाना में हजारों करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने की क्षमता रखती है। इससे सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाओं, डेटा प्रबंधन, क्लाउड सेवाओं तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि से राज्य के कर राजस्व में बढ़ोतरी, नए उद्योगों की स्थापना तथा घरेलू एवं विदेशी निवेश को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।

सफल क्रियान्वयन की स्थिति में तेलंगाना की राष्ट्रीय एवं वैश्विक डिजिटल पहचान और अधिक मजबूत हो सकती है तथा राज्य देश के प्रमुख डिजिटल निवेश केंद्रों में शामिल हो सकता है।

सभी वैधानिक स्वीकृतियां होंगी आवश्यक

इतनी बड़ी परियोजना के लिए केवल भूमि चिन्हित करना पर्याप्त नहीं है। डीपीआर तैयार होने के बाद विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा तकनीकी, वित्तीय एवं कानूनी परीक्षण किया जाएगा। इसके पश्चात पर्यावरणीय स्वीकृति, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की मंजूरी, विद्युत, जल संसाधन, प्रदूषण नियंत्रण, राजस्व विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करनी होंगी।यदि किसी निजी अथवा कृषि भूमि की आवश्यकता पड़ती है, तो लागू कानूनों के अनुसार भूमि अधिग्रहण अथवा आपसी सहमति से भूमि खरीद की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। सभी वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त होने के बाद ही निविदा प्रक्रिया एवं निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा सकेगा।

फिलहाल योजना एवं मूल्यांकन के चरण में है परियोजना

वर्तमान में यह परियोजना केवल प्रारंभिक योजना एवं मूल्यांकन के चरण में है। सरकार ने अभी तक निर्माण की समय-सीमा, निवेशक कंपनियों के नाम, प्रभावित गांवों, सर्वे नंबरों अथवा भूमि अधिग्रहण की अंतिम स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद उसकी समीक्षा की जाएगी तथा सरकार के अंतिम निर्णय के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू होगी। इसलिए फिलहाल इस परियोजना को एक प्रस्तावित योजना के रूप में देखा जा रहा है, जिसके सभी आगामी चरण सरकारी स्वीकृतियों, कानूनी प्रक्रियाओं एवं प्रशासनिक निर्णयों पर निर्भर करेंगे।

अत्तापुर इस्कॉन मंदिर में स्नान यात्रा 29 को

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर स्थित इस्कॉन श्री श्री राधा माधव मंदिर में 29 जून, 2026 को वार्षिक स्नान यात्रा श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी।

सुबह 10:30 बजे श्री जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा का महा-अभिषेक होगा, जिसमें सभी भक्त भाग ले सकते हैं। दोपहर 1:00 बजे श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। स्नान यात्रा में देवी-देवताओं को विधिपूर्वक स्नान कराया जाता है।

गोशामहल सर्किल-30 में इंदिरा महिला शक्ति साड़ी वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल सर्किल-30 के अंतर्गत इंदिरा महिला शक्ति साड़ी वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गोशामहल विधानसभा के विधायक टी. राजा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिला सदस्यों को साड़ियों का वितरण किया। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर श्रीमती जी. उमा प्रकाश, नगर निगम के अधिकारी, यूसीडीसीओ, आरपी, टीएलएफ, एसएलएफ तथा विभिन्न एसएचजी महिला समूहों की प्रतिनिधियाँ उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक टी. राजा सिंह ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से महिलाओं को दिया जा रहा प्रोत्साहन अत्यंत सराहनीय है। इससे स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा वे आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बन सकेंगी।

उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि महिलाओं की प्रगति से परिवार, समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव है।

कार्यक्रम के दौरान महिला समूहों की सदस्याओं ने योजना के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार और प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

खड़ी लॉरी से टकराई वैन, चार लोगों की मौत

नरसाराओपेट, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आन्ध्र प्रदेश में पलनाडु जिले के माचेरला शहर के बाहरी इलाके नागरावनम में शुक्रवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी और नौ अन्य घायल हो गये। हादसा उस समय हुआ जब यात्रियों से भरी तूफान वैन वहां खड़ी एक लॉरी से टकरा गयी।

पुलिस ने बताया कि 13 लोग हैदराबाद से पामुरु गांव जा रहे थे, ताकि वे अपने एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें। वैन एक खड़ी लॉरी से पीछे से टकरा गयी, जिससे कादिरी वेंकटेश्वरुलु, कादिरी सारदा, सत्यनारायण और पिडुगु सारदा की मौत हो गयी।

केबीआर पार्क पर किया गया नियमित अन्नदान जय फार्मेसी परिवार ने निभाई सेवा की परंपरा

हैदराबाद, 26 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा का श्रद्धा-पूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर जय फार्मेसी परिवार के सौजन्य से जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची उपासना है। राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नदान, जनसेवा एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहा है। समूह का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक सहयोग, संवेदना और सेवा का भाव पहुँचाना है।

जय फार्मेसी परिवार द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की सभी उपस्थितजनों ने सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणादायी प्रयास समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करते हैं तथा अधिक से अधिक लोगों को जनकल्याण के कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विश्वनाथ, रवीन्द्र, उमाकांत, उर्मिला, सुभाष और संजय अग्रवाल सहित अन्य सेवा सहयोगी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर अन्नदान सेवा को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। राधे-राधे ग्रुप ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

तेलंगाना प्रवासी समाज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन
तेलंगाना प्रवासी समाज का संकल्प - करेंगे शत-प्रतिशत मतदान
Address: Regd. Office M. No. 33-102, Officer's Colony, R.K. Puram Secunderabad- 500056, Telangana
वेबसाइट: www.tpswo.org
ईमेल: helpdesk@tpswo.org
व्हाट्सएप/संपर्क: +91 7680837749

S.I.R क्या है?
विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाया गया एक घर-घर सत्यापन अभियान है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल किया जाए और अयोग्य प्रविष्टियों को हटाया जाए।

उद्देश्य
- मतदाता सूचियों की सटीकता सुनिश्चित करना
- डुप्लिकेट, मृत और अयोग्य प्रविष्टियों को हटाना
- सभी पात्र नागरिकों को शामिल करना
- हमारे लोकतंत्र को मजबूत करना

कौन भाग ले सकता है?
मतदाता सूची में जिनका नाम है, वे सभी मतदाता और नए मतदाता जो 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं और योग्य तिथि तक पात्र हैं।

S.I.R के लाभ
- सटीक और अद्यतन मतदाता सूची
- मजबूत और पारदर्शी चुनाव
- सभी के लिए समान मतदान का अवसर
- मजबूत लोकतंत्र, मजबूत भारत

S.I.R प्रक्रिया – चरण दर चरण
1. बूथ स्तर अधिकारी (BLO) प्रत्येक घर का दौरा करेंगे।
2. वे आपके विवरण के साथ गणना प्रपत्र भरेंगे।
3. दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा और जानकारी अपलोड की जाएगी।
4. दावा और आपत्तियों के लिए प्रारूप सूची प्रकाशित की जाएगी।
5. सत्यापन के बाद अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

तैयार रखने वाले दस्तावेज
1. पहचान प्रमाण (EPIC / आधार / पासपोर्ट / ड्राइविंग लाइसेंस / पैन कार्ड आदि)
2. पता प्रमाण (बिजली बिल / राशन कार्ड / बैंक पासबुक / किराया समझौता आदि)
3. जन्म तिथि प्रमाण (जन्म प्रमाण पत्र / स्कूल प्रमाण पत्र / पासपोर्ट आदि)
4. हाल का पासपोर्ट साइज फोटो

महत्वपूर्ण बातें
- SIR किसी का नाम मनमाने तरीके से हटाने के लिए नहीं है।
- कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं।
- BLO के साथ सहयोग करें।
- सही जानकारी और वैध दस्तावेज प्रदान करें।
- आपका वोट। आपका अधिकार। आपकी जिम्मेदारी।

मुख्य संयोजक, श्री सुभाष अग्रवाल

सह-संयोजक गुप्ता राम निवास
सह-संयोजक डॉ. अजय कुमार अग्रवाल
सह-संयोजक नरेंद्र कुमार शर्मा
सह-संयोजक श्रीकिशन शर्मा
सह-संयोजक रमेश कुमार बुंग
सह-संयोजक उमा शंकर गोयनका
सह-संयोजक सीए हरि गोविंद प्रसाद
सह-संयोजक पारसमल रांका

सह-संयोजक नवीन पटेल
सह-संयोजक संजय एम. डोलवानी
सह-संयोजक के. धर्मपाल
सह-संयोजक हरि प्रसाद व्यास
सह-संयोजक विपिन रामावत
सह-संयोजक मुकेश कटारिया
सह-संयोजक सुब्रत गांगुली

मेरा वोट मेरा अधिकार मेरी जिम्मेदारी

किसी भी प्रश्न के लिए, अपने BLO / निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ERO) से संपर्क करें या 1950 पर कॉल करें (टोल फ्री हेल्पलाइन)

आइए, एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करें
आज ही सत्यापित करें, कल मतदान करें!

S.I.R कार्यक्रम (तेलंगाना)
- बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन: 25 जून 2026 – 24 जुलाई 2026
- मतदान केंद्रों का युक्तिकरण (रैशनलाइजेशन): 24 जुलाई 2026 तक
- मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) का प्रकाशन: 31 जुलाई 2026
- दावे एवं आपत्तियाँ दर्ज करने की अवधि: 31 जुलाई 2026 – 30 अगस्त 2026
- दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण: 31 जुलाई 2026 – 28 सितम्बर 2026
- अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन: 1 अक्टूबर 2026

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.